रजिस्ट्री सं. डी. (डी.एन.)-73

REGISTERED NO. D. (D. N.)—73

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 17] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 26, 1986/वैशाख 6, 1908
No. 17] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 26, 1986/VAISAKHA 6, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)

विधि और न्याय मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 10 अप्रैल, 1986

सूचनाएं

का.आ. 1681:—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6क के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री रामेश्वर दत्त एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे दिल्ली में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति की नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए ।

[सं. 5(46)/86-न्या]

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Department of Legal Affairs)

New Delhi, the 10th April, 1986

NOTICES

S.O. 1681.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Rameshwar Dutt, Advocate for appointment as a Notary to practise in Delhi.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(46)/86-Judl.]

का.आ. 1682 :—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6क के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री परमात्मा सरन पाण्डेय ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे फैजाबाद (यू.पी.) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति को नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए ।

[सं. 5(47)/86-न्याय]

आर.एन. पोद्दार, सक्षम प्राधिकारी

S.O. 1682.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Parmatma Saran Pandey advocate for appointment as a Notary to practise in Faizabad (U.P.)

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(47)/86-Judl.]

R. N. PODDAR, Competent Authority

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1986

का. आ. 1683.—केन्द्रीय सरकार, आयुध अधिनियम, 1959 (1959 का 54) की धारा 41 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह राय होने पर कि, लोकहित में ऐसा करना समीचीन है, श्री फ्रैंक एन्थधी संसद सदस्य को, निम्नलिखित वर्णन के अग्नि-शास्त्रों की बाबत, उक्त अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (2) के प्रवर्तन से छूट देती है :—

1. एक मोजर .22 एम.बी. राइफल सं. 46807
2. एक डब्ल्यू एफ. स्टैगर आस्टिन .210 बोर राइफल सं. ए. 58
3. एक जी. ई. लैविस की .12 बोर डी बी बी एल गन सं. 11481
4. एक .410 बोर शाट गन सी. 10 (मेक निल)
5. संयुक्त राज्य अमेरीका में बनी हैरिंगटन एण्ड रिचर्ड की एक .38 बोर रिवाल्वर सं. 171278
6. एक .350 रिगबी मैगज़ीन राइफल सं. 4621
7. 450/400 डी बी बी एल राइफल (सं. 11660)
8. एक रेमिंगटन रिपीटर .12 बोर एस बी (सं. 97411 वी)

[सं. वी-11013/2/83-आर्मस]

एस. आर. आर्य, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 15th April, 1986

S.O. 1683.—In exercise of the powers conferred by section 41 of the Arms Act, 1959 (54 of 1959), the Central Government being of opinion that it is expedient in the public interest so to do, hereby exempts Shri Frank Anthony Member of Parliament, from the operation of sub-section (2) of section 3 of the said Act in respect of firearms of the following description :—

1. One .22 S.B. Riffle No. 46807 by Mauser,
2. One .210 Bore Rifle No. A 58 by W.F. Stegr Austin,
3. One .12 bore DBBL gun No. 11481 by G.E. Lewis,
4. One .410 bore shot gun No. 10 (Make nil).
5. One .38 bore revolver No. 171278 by Harrington and Richard made in U.S.A.
6. One .350 Rigby Magazine Rifle No. 4621.
7. 450|400 DBBL rifle (No. 11660).
8. A Remington repeater .12 bore SB (No. 97411 V).

[No. V-11013|2|83-ARMS]

S. R. ARYA, Jt. Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1986

आयकर

का०आ० 1684:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उपखंड (iii) के अनुसरण में तथा भारत सरकार के राजस्व विभाग की दिनांक 10-12-1985 की अधिसूचना सं. 6226 [फा. सं. 398/27/85-आ.क. (ब.)] का अधिलंघन करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री एच.एस. सूरी को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनिमय के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री एच.एस. सूरी के कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 6575 (फा०सं. 398/1/86—आ.क.(ब)]

बी. ई. अलैक्जेंडर, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 16th January, 1986

INCOME-TAX

S.O. 1684.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of Notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 6525 [F. No. 398|27|85-IT(B)] dated the 10-12-85, the Central Government hereby authorises Shri H. S. Suri being a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri H. S. Suri takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 6575/F. No. 398/1/86-IT(B)]

B. E. ALEXANDER, Under Secy.

नई दिल्ली, 27 मार्च, 1986

(आयकर)

का.आ. 1685 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उप-खंड (V) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा, उक्त धारा के प्रयोजनार्थ, "कदम-

पूजा भगवती देवस्वम, कदमपुजा," को कर-निर्धारण वर्ष 1984-85 से 1987-88 के तक के अंतर्गत आने वाली अवधि के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 6633/फा.सं. 197/5/86-आ०का०(नि०-I)]

पा. सक्सेना, उप सचिव

New Delhi, the 27th March, 1986

(INCOME-TAX)

S.O. 1685.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (v) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1963 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Kadampuzha Baghavathi Devaswom, Kadampuzha" for the purpose of the said section for the period covered by assessment years 1984-85 to 1987-88.

[No. 6633.|F. No. 197|5|86-IT(AI)]

P. SAXENA, Dy. Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 7 अप्रैल, 1986

का. आ. 1686 :—क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री बी. बी. पटेल को, जिनकी धारा 11 की उप-धारा (1) के अधीन कच्छ ग्रामीण बैंक भुज के अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति की तीन वर्ष की पूर्व अवधि 30-6-85 को समाप्त हो गई थी, 1-7-1985 से शुरू होने वाली और 4-7-1985 को समाप्त होने वाली अवधि के वास्ते पुनः कच्छ ग्रामीण बैंक, भुज का अध्यक्ष नियुक्त करती है।

[सं. एफ. 2-17/85-आर. आर. बी.]

जे. एस. तिवाना, अवर सचिव

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 7th April, 1986

S.O. 1686.—In exercise of the powers conferred by sub-section 2 of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby re-appoints Shri B. B. Patel as the Chairman of Kutch Gramin Bank, Bhuj whose earlier tenure of three years appointment under subsection (1) of section 11 had expired on 30-6-85 for a period commencing from 1-7-1985 and ending with 4-7-1985.

[No. F. 2-17/85-RRB]

J. S. TIWANA, Under Secy.

नई दिल्ली, 10 अप्रैल, 1986

का. आ. 1687 :—भारतीय औद्योगिक विकास बैंक अधिनियम, 1964 (1964 का 18) की धारा 6 की उपधारा (4) के साथ पठित उपधारा (1) के खण्ड (ग) के उपखण्ड (4) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री एस. पी. उपासनी, प्रबन्ध निदेशक, महाराष्ट्र राज्य वित्तीय निगम, बम्बई को तत्काल भारतीय औद्योगिक विकास बैंक का निदेशक नामित करती है।

[सं. एफ. 7/19/85-बी. ओ.-I]

एम. एस. सीतारामन, अवर सचिव

New Delhi, the 10th April, 1986

S.O. 1687.—In pursuance of sub-clause (iv) of clause (c) of sub-section (1) read with sub-section (4), of section 6 of the Industrial Development Bank of India Act, 1964 (18 of 1964), the Central Government hereby nominates Shri S P. Upasani, Managing Director, Maharashtra State Financial Corporation, Bombay as Director of the Industial Development Bank of India with immediate effect.

[No. F. 7/19/85-BO. I]

M. S. SEETHARAMAN, Under Secy.

समाहर्तालय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नागपुर, 17 मार्च, 1986

अधिसूचना सं. सी ई आर/आर-5/2/86

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

का. आ. 1688 :—अधिसूचना सं. सी ई आर/आर-5/1/84 दिनांक 7-1-84 में निम्नलिखित संशोधन किया जाता है।

1. क्रम संख्या 70 के बाद वाले अनुबंध में निम्नलिखित जोड़ा जाएगा :—

क्र. सं.	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम	प्रत्यायोजित शक्ति के प्रकृति	अधिकारी जिसे प्रत्यायोजित की गई	सीमाएं
70क	173-ग(II)	नियमित मूल्य सूची के स्थान पर निकासी कागजातों पर मूल्य की घोषणा	सहायक समाहर्ता	लघु उद्योग इकाईयां"

[प.सं. IV/(16) 8-22/80/सी एक्स/भाग]

कश्मीरा सिंह, समाहर्ता

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Nagpur, the 17th March, 1986

Notification No. CER R—5/2/86

CENTRAL EXCISE

S. O. 1688.—Notification No. CER/R-5/1/84-dated 7-1-84 is amended as under :—

1. In the Annexure after Sr. No. 70 following shall be inserted :—

S. No.	Central Excise Rules	Nature of power delegated	Officer to whom delegated	Limitation
1	2	3	4	5
70-A	173-3(II)	Declaration of Price in lieu of regular Price list on clearance document	Assistant Collector.	Small scale units.

[C. No. IV(16)8-22|80|CX|PT.]

KASHMIRA SINGH, Collector

नागपुर, 31 मार्च, 1986

अधिसूचना क्रं. 3/86

(दिनांक 21-2-1986)

का. आ. 1689 :—अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' में पदोन्नत होने पर निम्नलिखित निरीक्षकों ने अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' में उनके नाम के आगे दर्शाई गई तिथि से पदभार संभाला।

क. सं.	नाम	तैनाती स्थान	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
	सर्वश्री		
1.	टी. के. पाटील	अधीक्षक, के उ. शु० (निवारक) मुख्यालय नागपुर	11-2-86 (पूर्वान्ह)
2.	डी. एस. मांडवधर	अधीक्षक (लेखा परीक्षा) मुख्यालय नागपुर	11-2-86 (पूर्वान्ह)

[प. सं. II(3)/1/86/स्था. 1/25904]

रमेश कुमार आदिम, उप समाहर्ता

(कार्मिक और स्थापना)

Nagpur, the 31st Mach, 1986

NOTIFICATION NO. 3/86

(Date 21-2-1986)

S. O. 1689.—Consequent upon their promotion as Superintendent, Central Excise Group 'B' the following Inspector of Central Excise have assumed their charges as Superintendent, Central Excise Group 'B' with effect from the dates as shown against each.

S. No.	Name of the Officer	Place of posting	date of assumption of charge
1.	Shri T.K. Patil	Superintendent (Preventive) C. Ex. Hqrs. Nagpur.	11-2-1986 (F.N.)
2.	Shri D. S. Mandavdhare	Superintendent (Audit) C. Ex. Hqrs. Nagpur.	11-2-1986 (F.N.)

[C. No. II(3)/1/86/Et. I/25904]

R. K. AUDIM, Deputy Collector (P&E)

(केन्द्रीय उत्पादक-शुल्क समाहर्तालय)

हैदराबाद, 14 फरवरी, 1986

अधिसूचना सं. 2/86-के. उ. शु.

का. आ. 1690 :—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 1944 के नियम-5 के अधीन मुझमें प्रवत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 173-एच के अधीन मुझ में प्रदत्त शक्तियों केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के सहायक समाहर्ताओं में उनके-अपने कार्यक्षेत्र में उपयोग करने केलिए प्रत्यायोजित करता हूं।

[फा. सं. IV/16/15/86-एम. पी.]

आर. गोपालनाथन, समाहर्ता

(Office of the Collector of Central Excise)

Hyderabad, the 14th February, 1986

NOTIFICATION NO. 2/86-CE

S.O. 1690.—In exercise of the powers conferred on me under Rule 5 of the Central Excise Rules, 1944, I delegate the powers vested in me under the Rule 173-H of the Central Excise Rules, 1944 to the Assistant Collectors of Central Excise to be exercised within their respective jurisdiction.

[C. No. IV/16/15/86-MP]

R. GOPALNATHAN, Collector

वाणिज्य मंत्रालय

(मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय)

नई दिल्ली, 9 अप्रैल, 1986

का. आ. 1691 :—मुख्य इंजीनियर, तामिल नाडु राज्य बिजली बोर्ड, 791-इलैक्ट्रीसिटी एवेन्यु, अन्ना सलाय, मद्रास को पश्चिम जर्मनी पूंजीगत माल क्रेडिट डी एम 60 मिलियन तथा सार्वजनिक सूचना सं. 34/आई टी सी/पी एन/82, दिनांक 29-6-82 में निर्धारित शर्तों के अधीन डैश्री फिल्टर्स तथा आनुषंगिकों तथा फालतू पुर्जों सहित कंडैंसर ऑन-लाइन ट्यूब क्लीनिंग सिस्टमस के आयात के लिए रु. 1,18,10,400/- (रु. एक करोड़ अठारह लाख दस हजार चार सौ मात्र) मूल्य का एक आयात लाइसेंस सं. जी/एच/2041254, दिनांक 9-4-85 दिया गया था।

फर्म ने उक्त लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुलिपि प्रति जारी करने का इस आधार पर आवेदन किया है कि लाइसेंस की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति खो गई है या अस्थानस्थ हो गई है। आगे यह भी कहा गया है कि लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति किसी भी सीमा शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत नहीं करवाई गई थी इस प्रकार मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति के मूल्य का बिलकुल भी प्रयोग नहीं किया है।

2. अपने तर्क के समर्थन में लाइसेंस धारक ने नोटरी पब्लिक, मद्रास के सामने विधिवत शपथ लेकर स्टाम्प पेपर पर एक शपथ पत्र दाखिल किया है। तदनुसार, मैं सन्तुष्ट हूं कि आयात लाइसेंस सं. जी/एच/2041254, दिनांक 9-4-85 की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति फर्म द्वारा खो गई है या अस्थानस्थ हो गई है। यथासंशोधित आयात नियंत्रण आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 की उप-धारा 9(सी सी) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं तामिल नाडु राज्य बिजली बोर्ड, मद्रास को जारी मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति सं. 2041254, दिनांक 9-4-85 को एतद्द्वारा रद्द किया जाता है।

3. फर्म को उक्त लाइसेंस की अनुलिपि मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति को अलग से जारी किया जा रहा है।

[सं. सी जी-2/एच ई पी/1/84-85/32]

पाल बैंक, उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE

(Office of the Chief Controller of Imports and Exports)

New Delhi, the 9th April, 1986

S.O. 1691.—The Chief Engineer, Tamil Nadu Electricity Board, 791 Electricity Avenue Anna Salai, Madras were granted an Import Licence No. G|H|2041254 dated 9-4-85 for Rs. 1,18,10,400 (Rupees one crore eighteen lakhs ten thousands and four hundred only) for import of Debris filters and Condenser On-line Tube Cleaning Systems with accessories and spares under West German Capital Goods Credit DM-60 million and in terms of conditions laid down in Public Notice No. 34/ITC/PN/82 dated 29-6-82.

The firm has applied for issue of Duplicate copy of Exchange Control copy of the above mentioned licence on the ground that the original Exchange Control copy of the Licence has been lost or misplaced. It has further been stated that the Exchange Control Copy of the licence was not registered with any Customs Authority and as such the value of Exchange Control copy has not been utilised at all.

2. In support of their contention, the licensee has filed on affidavit on stamped paper duly sworn in before a Notary Public Madras. I am accordingly satisfied that the original Exchange Control copy of Import Licence No. G/H/2041254 dated 9-4-85 has been lost or misplaced by the firm. In exercise of the powers conferred under sub-clause 9(cc) of the Import Control Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended the said original Exchange Control copy No. 2041254 dated 9-4-85 issued to M/s. Tamil Nadu Electricity Board Madras is hereby cancelled.

3. A duplicate Exchange Control copy of the said licence is being issued to the party separately.

[No. CGII|HEP|1|84-85|32]

PAUL BECK, Dy. Chief Controller of Imports and Exports
for Chief Controller of Imports and Exports

उद्योग मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 9 अप्रैल, 1986

का. आ. 1692.—एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उप-धारा (3) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा इस अधिसूचना के अनुलग्नक में उल्लिखित उपक्रमों के पंजीकरण को, उक्त उपक्रमों के वह उपक्रम होने पर, जिन पर उक्त अधिनियम के अध्याय-III के भाग-क के उपबन्ध अब लागू नहीं होते हैं, के निरस्तीकरण को अधिसूचित करती है।

[सं. 16/12/86-एम.-3]

एल. सी. गोयल, अवर सचिव

अधिसूचना सं. 16/12/86-एम.-III का अनुलग्नक

क्रम सं.	उपक्रम का नाम	पंजीकृत पता	पंजीकरण संख्या
1	2	3	4
1.	इण्डस्ट्रीयल केवल्स (इंडिया) लिमिटेड	जैमल राम, रनबीर सिंह बिल्डिंग (फर्स्ट फ्लोर), वैस्टर्न सर्कुलर रोड, अबोहर-152116 जिला-फीरोजपुर।	1524/82
2.	आई सी एल टावर्स लि०	लाल चन्द नगर, जुलाना के निकट, जिला जीन्द (हरियाणा)	1944/84
3.	शेरवानी फेब्रिक्स प्राइवेट लि.	12-ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ली-110001	1999/84
4.	स्टार होटल्स लि.	12-ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ली-110001	2000/84
5.	हिन्दुस्तान डोर-ओलीवर लि.	डोर-ओलीवर हाउस, चकला, अंधेरी (ईस्ट), बम्बई-400099	1687/84

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 9th April, 1986

S.O. 1692.—In pursuance of sub-section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of the undertakings mentioned in the Annexure to this notification, the said undertakings being undertakings to which the provisions of Part A Chapter III of the said Act no longer apply.

[No. 16/12/86-M.III]

L. C. GOYAL, Under Secy.

Annexure to the Notification No. 16-12-1986. M-III

S. No.	Names of the Undertakings	Registered Address	Registration No.
1.	Industrial Cables (India) Ltd.	Jaimal Ram, Ranbir Singh Building (Ist floor), Western Circular Road, Abohar-152116, Distt. Ferozepur.	1524/82
2.	ICL Towers Ltd.	Lal Chand Nagar, Near Julana Distt. Jind (Haryana)	1944/84
3.	Shervani Fabrics Private Ltd.	12-A, Connaught Place, New Delhi-110001.	1999/84
4.	Star Hotels Ltd.	12-A, Connaught Place, New Delhi-110001.	2000/84
5.	Hindustan Dorr—Oliver Ltd.	Dorr-Oliver House-Chakala, Andheri (East) Bombay-400099.	1687/84

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 8 अप्रैल, 1986

का. आ. 1693.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सोभासन सी. टी. एफ. से साबरडेरी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है :

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

सोभासन सी. टी. एफ. से साबर डेरी तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला मेहसाना तालुका : वीजापुर

गांव	ब्लॉक नं०	हेक्टेयर	आर.	सेन्टीयर
देल वाडा	496	0	13	20
	467	0	02	25
	कार्ट ट्रेक	0	01	65
	494	0	01	50
	491	0	08	97
	490	0	11	31
	489	0	11	44
	488	0	07	68
	486	0	01	95

[सं. O-12016/45/86-ओ एन जी-डी 4]

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 8th April, 1986

S.O. 1693.—Whereas it apears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Sobhasan CTF to Sabar Dairy in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road Vadodara. (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be hear in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

PIPELINE FROM SOBHASAN CTF TO SABAR DAIRY

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Vijapur

Village	Block No.	Hectare	Are	Centiar
Delvada	496	0	13	20
	497	0	02	25
	Cart track	0	01	65
	494	0	01	50
	491	0	08	97
	490	0	11	31
	489	0	11	44
	488	0	07	68
	486	0	01	95

[No. O-12016/45/86-ONG-D4]

का. आ. 1694.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सोभासन सी. टी. एफ. से साबरडेरी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है :

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देख भाल प्रभाग मकरपुरा रोड, बडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से, 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

सोभासन सी. टी. एफ. से साबर डेरी तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला : मेहसाना तालुका : वीजापुर

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	आर.	सेन्टीयर
1	2	3	4	5
चराडा	1004	0	18	14
	1002	0	00	93
	1005/1/एफ	0	03	60

1	2	3	4	5
	1001	0	20	07
	कार्ट ट्रेक	0	00	85
	1020	0	15	40
	1019	0	06	56
	1022/1/2/3	0	00	96
	1023/1/2	0	06	62
	1024	0	07	70
	1028/1	0	08	25
	1029/1	0	04	59
	1027	0	08	54
	कार्ट ट्रेक	0	01	00
	1059/1	0	16	80
	1059/पी	0	00	02
	1059/2	0	18	20
	1+2			
	1059/4	0	19	24
	1093	0	00	14
	1087	0	11	76
	1079/1	0	05	94
	1079/2	0	07	15
	1078/1	0	06	49
	1121	0	02	89
	1077	0	00	50
	कार्टट्रेक	0	00	25
	1147	0	24	59
	1148	0	06	11
	1150	0	05	37
	1151	0	05	37
	1155	0	06	34
	1156	0	03	18
	1230	0	08	86
	1168	0	07	42
	1157	0	01	98
	1163	0	03	27
	1167	0	02	99
	1166	0	05	05
	1164	0	07	02
	106/1	0	06	24
	106/2	0	05	47
	68	0	00	94
	24	0	06	50
	कार्ट ट्रेक	0	00	80
	1279	0	13	30
	1278	0	09	10
	353/1	0	14	17
	352	0	06	39
	378	0	08	01
	1109/87	0	08	96
	1109/86	0	10	64
	1109/85	0	07	48
	1109/83	0	04	42
	1109/60	0	04	42
	1109/82	0	07	98
	1109/143	0	08	41
	1109/144	0	09	38
	1109/78	0	04	32
	1109/77	0	11	48
	कार्ट-ट्रेक	0	01	26
	1109/149	0	10	50
	1109/150	0	06	16
	1109/151	0	04	16
	1109/153	0	09	38
	1109/155	0	05	92
	1109/156	0	05	60
	कार्ट-ट्रेक	0	01	12
	1109/228	0	06	44
	1109/229	0	07	14
	1109/230	0	11	48
	कार्टट्रेक	0	00	60
	1109/256	0	16	55
	1109/257	0	00	94
	1109/255	0	08	54
	1109/253	0	13	92
	1109/246	0	13	19
	1109/280 पी	0	08	45
	1—2			
	1109383/पी	0	05	25
	1—2			
	1109/383	0	13	00
	1109/385	0	22	19

[सं. O-12016/46/86-ओ. एन. जी.-डी.-4]

S.O. 1694.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Sobhasan CTF to Sabar Dairy in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction

and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara. (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

PIPELINE FROM SOBHASAN CTF TO SABAR DAIRY
State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Vijapur

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
1	2	3	4	5
Charada	1004	0	18	14
	1002	0	00	93
	1005/1/P	0	03	60
	1001	0	20	07
	Cart track	0	00	85
	1020	0	15	40
	1019	0	06	56
	1022/1/2/3	0	00	96
	1023/1/2	0	06	62
	1024	0	07	70
	1028/1	0	08	25
	1029/1	0	04	59
	1027	0	08	54
	Car track	0	01	00
	1059/1	0	16	80
	1059/P	0	00	02
	1059/2	0	18	20
	1+2			
	1059/4	0	19	24
	1093	0	00	14
	1087	0	11	76
	1079/1	0	05	94
	1079/2	0	07	15
	1078/1	0	06	49
	1121	0	02	89
	1077	0	00	50
	Cart/track	0	00	25
	1147	0	24	59
	1148	0	06	11
	1150	0	05	37
	1151	0	05	37
	1155	0	06	34
	1156	0	03	18
	1230	0	08	86
	1168	0	07	42
	1157	0	01	98
	1163	0	03	27
	1167	0	02	99
	1166	0	05	05
	1164	0	06	02
	106/1	0	06	24
	106/2	0	05	47
	68	0	06	94
	24	0	06	50
	Cart track	0	00	80
	1279	0	13	30
	1278	0	09	10
	353/1	0	14	17
	352	0	06	39
	378	0	08	01
	1109/87	0	08	96
	1109/86	0	10	64
	1109/85	0	07	48
	110 /83	0	04	42
	1109/60	0	04	42
	1109/82	0	07	98
	1109/143	0	08	41
	1109/114	0	09	38
	1109/78	0	04	32
	1109/77	0	11	48
	Cart track	0	01	26
	1109/149	0	10	50
	1109/150	0	06	16
	1109/151	0	04	16
	1107/153	0	09	38
	1107/155	0	05	92
	1107/156	0	05	60
	Cart track	0	01	12
	1109/128	0	06	44
	1109/229	0	07	14
	1109/230	0	11	48
	Carttrack	0	00	60
	1109/256	0	16	55
	1109/257	0	00	94
	1109/255	0	08	54
	1109/253	0	13	92
	1109/246	0	13	19
	1109/380/P	0	08	45
	1—2			
	1109/382/P	0	05	25
	1—2			
	1109/383	0	13	00
	1109/385	0	22	19

[No. O-12016/46/86-ONG-D4]

का. आ. 1695.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सोभासन सी. टी. एफ. से साबर डेरी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

सोभासण सी. टी. एफ. से साबर डेरी तक पाइप लाइन बिछाने के लिए ।

राज्य :—गुजरात जिला:—मेहसाना तालुका :—विजापुर

गांव	सर्वे नं.	हेक्टर	आर.	सेन्टीयर
पडुस्मा	152/पी	0	05	59
	153	0	14	13
	154	0	08	08
	155	0	04	36
	156	0	11	60
	162	0	16	24
	161/पी/1	0	10	58
	163/3	0	00	09
	164	0	12	95
	कार्ट ट्रेक	0	00	30
	179/पी/1	0	09	50
	179/पी/2	0	04	81
	178	0	12	88
	196/पी/1	0	06	67
	196/पी/2	0	07	00
	197/3	0	21	60
	199/1	0	08	68
	199/3	0	03	30
	199/4	0	05	75

[सं. O—12016/47/86-ओ एन जी-डी-4]

S.O. 1695.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Sabhasan CTF to Sabar Dairy in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Contruction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara. (390009).

And every person making such an objection shall also state specifiacally whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

PIPE LINE FROM SOBHASAN CTF SKFTO SABAR DAIRY

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Vijapur

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Padusma	152/P	0	05	59
	153	0	14	13
	154	0	08	08
	155	0	04	36
	156	0	11	60
	162	0	16	24
	161/P/1	0	10	58
	163/3	0	00	09
	164	0	12	95
	Cart track	0	00	30
	179/P/1	0	09	50
	179/P/2	0	04	81
	178	0	12	88
	196/P/1	0	06	67
	196/P/2	0	07	00
	197/3	0	21	60
	199/1	0	08	68
	199/3	0	03	30
	199/4	0	05	75

[No. O-12016/47/86-ONG-D4]

का. आ. 1696.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सोभासन सी. टी. एफ. से साबर डेरी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

सोभासन सी. टी. एफ. से साबर डेरी तक पाइप लाइन बिछाने के लिए ।

राज्य:—गुजरात जिला:—मेहसाना तालुका :—वीजापुर

गांव	सर्वे नं.	हेक्टयर	आर.	सेन्टीयर
1	2	3	4	5
समौ	334	0	06	87
	332	0	05	62
	331/पी	0	10	41

1	2	3	4	5
	349	0	13	50
	कार्ट ट्रैक	0	00	90
	486	0	16	52
	484	0	08	77
	483	0	07	65
	482	0	01	62
	485	0	07	94
	481	0	08	32
	505	0	09	36
	506/1	0	13	91
	502	0	05	41
	539	0	00	91
	501	0	09	92
	540	0	01	90
	541	0	05	41
	542	0	16	62
	552	0	06	15
	544/पी	0	07	87
	551/पी	0	02	70
	551/पी	0	11	05
	548/1	0	00	33
	550	0	10	46
	549	0	09	75
	कार्ट ट्रैक	0	01	00
	632	0	11	61
	633	0	02	25
	631	0	17	42
	कार्ट ट्रैक	0	01	95
	614	0	01	20
	616/पी/1/2/3	0	29	78
	619	0	22	65
	618	0	02	88

[सं. O—12016/48/86—ओ एन जी-डी-4]

S.O. 1696.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Sabhasan CTF to Sabar Dairy in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara. (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

PIPELINE FROM SOBHASAN CTF TO SABAR DAIRY

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Vijapur

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
1	2	3	4	5
Samau	334	0	06	87
	332	0	05	62
	331/P	0	10	41
	349	0	13	50
	Cart track	0	00	90
	486	0	16	52
	484	0	08	77
	483	0	07	65
	482	0	01	62
	485	0	07	94
	481	0	08	32
	505	0	09	36
	506/1	0	13	91
	502	0	05	41
	539	0	00	91
	501	0	09	92
	540	0	01	90
	541	0	05	41
	542	0	16	62
	552	0	06	15
	544/P	0	07	87
	551/P	0	02	70
	551/P	0	11	05
	548/1	0	00	33
	550	0	10	46
	549	0	09	75
	Cart track	0	01	00
	632	0	11	61
	633	0	02	25
	631	0	17	42
	Cart track	0	01	95
	614	0	01	20
	616/P/1/2/3	0	29	78
	619	0	22	65
	618	0	02	88

[No. O-12016/48/86-ONG-D4]

का. आ. 1697.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सोभासन सी. टी. एफ. से साबर डेरी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

सोभासन सी. टी. एफ से साबर डेरी तक पाइप लाइन बिछाने के लिए ।

राज्य:—गुजरात जिला:—मेहसाना तालुका:—वीजापुर

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	आर.	सेन्टीयर
1	2	3	4	5
आजोल	549/2	0	07	95
	549/3	0	04	83
	548	0	03	41
	542	0	10	80
	531	0	03	08
	530	0	14	70
	529	0	02	66
	532/1	0	10	43
	525	0	01	48
	कार्ट ट्रेक	0	10	24
	524	0	06	30
	534	0	03	16
	523	0	10	21
	523/पी	0	05	81
	522	0	20	61
	521	0	05	90
	कार्ट ट्रेक	0	02	47
	571	0	05	56
	576	0	17	24
	574	0	03	28
	577	0	06	22
	591	0	18	17
	592/पी/1	0	07	78
	592/पी/2	0	07	12
	कार्ट ट्रेक	0	02	40
	590	0	00	35
	637/2	0	06	63
	637/2/पी	0	07	44
	637/1	0	07	02
	638	0	06	50
	640	0	00	66
	641/पी	0	06	95
	641/पी	0	07	28
	कार्ट ट्रेक	0	00	86
	674	0	15	60
	673	0	15	54
	672	0	03	51
	711	0	07	93
	712	0	11	00
	714	0	09	52
	720	0	09	48
	729	0	11	24
	728	0	00	36
	721	0	07	17
	722	0	17	80
	723	0	08	52
	कार्ट ट्रेक	0	00	54
	886	0	01	00
	885	0	10	39
	884	0	09	73
	882/1	0	23	95
	882/2	0	00	76
	881	0	06	27
	871	0	11	70
	868	0	04	94
	869	0	06	93
	860	0	23	08
	859/1	0	05	52
	कार्ट ट्रेक	0	02	60
	944/1	0	03	35
	944/2	0	06	61
	944/3	0	07	08
	945/1	0	02	47
	945/2	0	05	69
	946/1	0	05	29
	946/2	0	05	97
	947	0	03	11
	949	0	12	62
	948	0	00	40
	954/1	0	09	27
	954/2	0	08	32
	955	0	11	29
	956	0	03	83
	957/1	0	08	87
	958/1	0	08	64
	963	0	08	45
	964	0	05	21
	1002	0	04	12

1	2	3	4	5
	1001	0	18	16
	985	0	11	81
	984	0	11	33
	986/ए	0	00	16
	986/बी	0	13	05
	986/सी	0	01	80
	987	0	06	36
	988	0	11	91
	कार्ट ट्रेक	0	01	46

[सं. O-12016/49/86-ओ एन जी-डी-4']

S.O. 1697.—Whereas it apears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Sobhasan CTF to Sabar Dairy in Gujarat State Pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the scheduled annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara. (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

PIPELINE FROM SOBHASAN CTF TO SABAR DAIRY

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Vijapur

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
1	2	3	4	5
Ajol	549/2	0	07	95
	549/3	0	04	83
	548	0	03	41
	542	0	10	80
	531	0	03	08
	530	0	14	70
	529	0	02	66
	532/1	0	10	43
	525	0	01	48
	Cart track	0	10	24
	524	0	06	30
	534	0	03	16
	523	0	10	21
	523/P	0	05	81
	522	0	20	61
	521	0	05	90
	Cart track	0	02	47
	571	0	05	56
	576	0	17	24
	574	0	03	28
	577	0	06	22
	591	0	18	17
	592/P/1	0	07	78
	592/P/2	0	07	12
	Cart track	0	02	40
	590	0	00	35
	637/2	0	06	63
	637/2/P	0	07	44
	637/1	0	07	02
	638	0	06	50
	640	0	00	66
	641/P	0	06	95
	641/P	0	07	28
	Cart track	0	00	86
	674	0	15	60
	673	0	15	54
	672	0	03	51
	711	0	07	93
	712	0	11	00
	714	0	09	52
	720	09	09	48
	729	0	11	24
	728	0	00	36
	721	0	07	17
	722	0	17	80
	723	0	08	52
	Cart track	0	00	54
	886	0	01	00
	885	0	10	39
	884	0	09	73
	882/1	0	23	95
	882/2	0	00	76
	881	0	06	27
	871	0	11	70
	868	0	04	94
	869	0	06	93
	860	0	23	08
	859/1	0	05	52
	Cart track	0	02	60
	944/1	0	03	35
	944/2	0	06	61
	944/3	0	07	08
	945/1	0	02	47
	945/2	0	05	69
	946/1	05	05	29
	946/2	0	05	97
	947	0	03	11
	949	0	12	62
	948	0	00	40
	954/1	0	09	27
	954/2	0	08	32
	955	0	11	29
	956	0	03	82
	957/1	0	08	87
	958/1	0	08	64
	963	0	08	45
	964	0	05	21
	1002	0	04	12
	1001	0	18	16
	985	0	11	81
	984	0	11	33
	986/A	0	00	16
	986/B	0	13	05
	986/C	0	01	80
	987	0	06	36
	988	0	11	91
	Cart track	0	01	46

[No. O-12016/49/86-ONG-D4]

का.आ. 1698—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सोभासन-सी. टी. एफ से साबरडेरी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

सोभासन सी. टी. एफ. से साबरडेरी तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला : मेहसाना तालुका : वीजापुर

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	आर	सेण्टीयर
1	2	3	4	5
हरना होडा	546	0	06	88
	545	0	06	80
	544	0	06	73
	543	0	05	20
	कार्ट ट्रेक	0	01	42
	605	0	04	78
	606/पी/1/2	0	20	18
	603	0	09	24
	602	0	07	14
	601/1	0	07	91
	600/1	0	15	80
	600/2	0	02	20
	कार्ट ट्रेक	0	01	03
	8	0	11	40
	9	0	06	27
	10	0	04	68
	11	0	07	68
	12	0	25	62
	कार्ट ट्रेक	0	01	84
	250/1	0	08	40
	251	0	09	53
	247/1	0	03	08
	246/1	0	06	94
	261	0	00	96
	260	0	05	01
	259	0	14	54
	269	0	00	42
	272	0	06	09
	273	0	08	47
	274	0	07	28
	278	0	00	08
	280	0	07	13
	281	0	04	80
	282	0	03	91
	285	0	00	18
	कार्ट ट्रेक	0	00	96
	303/1	0	02	29
	303/2	0	06	46
	303/3	0	00	51
	303/4	0	06	79
	302	0	04	16
	301	0	03	96
	299	0	14	21
	298/1	0	10	86
	295	0	04	40
	296	0	05	42
	297	0	01	89

[सं. O—12016/50/86-ओ एन जी-डी-4]

S.O. 1698.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Sabhasan CTF to Sabar Dairy in Gujarat State Pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that fo rthe purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the scheduled annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to

the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara, (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

PIPELINE FROM SOBHASAN CTF TO SABAR DAIRY

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Vijapur

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
1	2	3	4	5
Harna Hoda	546	0	06	88
	545	0	06	80
	544	0	06	73
	543	0	05	20
	Cart track	0	01	42
	605	0	04	78
	606/P/1/2	0	20	18
	603	0	09	24
	602	0	07	14
	601/1	0	07	91
	600/1	0	15	80
	600/2	0	02	20
	Cart track	0	01	03
	8	0	11	40
	9	0	06	27
	10	0	04	68
	11	0	07	68
	12	0	25	62
	Cart track	0	01	84
	250/1	0	08	40
	251	0	09	53
	247/1	0	03	08
	246/1	0	06	94
	261	0	00	96
	260	0	05	01
	259	0	14	54
	269	0	00	42
	272	0	06	09
	273	0	08	47
	274	0	07	28
	278	0	00	08
	280	0	07	13
	281	0	04	80
	282	0	03	91
	285	0	00	18
	Cart track	0	00	96
	303/1	0	02	29
	303/2	0	06	46
	303/3	0	00	51
	303/4	0	06	79
	302	0	04	16
	301	0	03	96
	299	0	14	21
	298/1	0	10	86
	295	0	04	40
	296	0	05	42
	297	0	01	89

No. O.-12016/50/86-ONG-D-4]

का. आ. 1699—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सोभासन सी. टी. एफ. से साबरडेरी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदूपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के लिए का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

सोभासन सी. टी. एफ. से साबरडेरी तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला : मेहसाना तालुका : वीजापुर

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	आर	सेण्टीयर
1	2	3	4	5
अनोडीआ	402	0	11	74
	403/1	0	07	00
	403/2	0	05	33
	403/3	0	06	44
	413	0	16	24
	414/1	0	04	99
	414/2	0	03	15
	414/3	0	02	63
	415/1	0	00	81
	452	0	01	17
	453	0	08	54
	454	0	08	07

1	2	3	4	5
	455	0	17	50
	457	0	15	09
	497/4	0	14	89
	498	0	06	75
	499	0	11	00
	501	0	23	88
	504/1	0	10	60
	504/2	0	00	52
	503/3/ए	0	09	25
	517/1	0	07	50
	542	0	30	22
	541	0	00	90
	540	0	16	27
	547/1	0	08	55
	548/1	0	09	00
	624	0	13	63
	621/1	0	00	24
	621/2	0	14	80
	620/1/ए	0	17	56
	620/1/बी	0	03	73
	609	0	07	63
	610	0	07	15
	612	0	10	43
	611	0	06	15
	कार्ट ट्रेक	0	02	20
	690	0	06	48
	कार्ट ट्रेक	0	01	90
	728	0	08	03
	727	0	06	61
	726/1	0	07	56
	726/2	0	07	61
	722/1/पी	0	07	25
	722/2/पी	0	07	12
	721	0	08	05
	कार्ट ट्रेक	0	01	57
	710	0	06	43
	711	0	12	39
	942/1	01	51	20

[सं. 0—12016/51/86—ओ एन जी—डी—4]

S.O. 1699.—Whereas it apepars to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Sabhasan CTF to Sabar Dairy in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara. (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

PIPELINE FROM SOBHASAN CTF TO SABAR DAIRAY

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Vijapur

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
1	2	3	4	5
Anodia	402	0	11	74
	403/1	0	07	00
	403/2	0	05	33
	403/3	0	06	44
	413	0	16	24
	414/1	0	04	99
	414/2	0	03	15
	414/3	0	02	63
	415/1	0	00	81
	452	0	01	17
	453	0	08	54
	454	0	08	07
	455	0	17	50
	457	0	15	09
	497	0	14	89
	498	0	06	75
	499	0	11	00
	501	0	23	88
	504/1	0	10	60
	504/2	0	00	52
	503/3/A	0	09	25
	517/1	0	07	50
	542	0	30	22
	541	0	00	90
	540	0	16	27
	547/1	0	08	55
	548/1	0	09	00
	624	0	13	63
	621/1	0	00	24
	621/2	0	14	80
	620/1/A	0	17	56
	620/1/B	0	03	73
	609	0	07	63
	610	0	07	15
	612	0	10	43
	611	0	06	15
	Cart track	0	02	20
	690	0	06	48
	Cart track	0	01	90
	728	0	08	03
	727	0	06	61
	726/1	0	07	56
	726/2	0	07	61
	722/1/P	0	07	25
	722/2/P	0	07	12
	721	0	08	05
	Cart track	0	01	57

1	2	3	4	5
	710	0	06	43
	711	0	12	39
	942/1	01	51	20

[No. O-12016/51/86-ONGD-4]

का.आ. 1700:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सोभासन सी. टी. एफ. से साबरडरी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रुप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

सोभासन सी. टी. एफ. से साबरडरी तक पाइपलाइन बिछाने के लिए ।

राज्य : गुजरात जिला : मेहसाना तालुक : वीजापुर

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	आर	सेन्टीयर
1	2	3	4	5
महुडी	484	0	07	32
	496	0	22	06
	491	0	15	12
	492/2	0	00	12
	498	0	11	67
	510	0	06	63
	511	0	10	16
	509/1	0	10	92
	509/2	0	02	32
	514	0	05	77
	517	0	07	01
	515	0	08	31
	516	0	05	85
	कार्ट ट्रेक	0	00	75
	469	0	13	09
	416	0	16	36
	417/4	0	17	87
	419	0	04	17
	421	0	00	31
	420/1	0	08	48
	420/2	0	11	18
	404/1	0	07	77
	404/2	0	07	35
	394	0	11	70
	395	0	12	60
	391	0	13	15
	390	0	06	23
	389	0	12	54
	387	0	18	20
	386	0	16	65
	348/1/2	0	19	76
	349	0	13	05
	352	0	13	02
	कार्ट ट्रक	0	02	04
	231	0	07	12
	230	0	13	70
	229	0	05	64
	227/1	0	04	99
	226	0	05	36
	225/1	0	05	26
	225/2	0	02	25
	224	0	06	07
	223	0	03	37
	222	0	02	25

[सं. O-12016/52/86—ओ एन जी-डी-4]

S.O. 1700.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Sobhasan CTF to Sabar Dairy in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:

Now, therefore, in exercise fo the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent

Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara, (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be hear in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Sobhasan CTF to Sabar Dairy

State : Gujarat District : Mohsana Taluka : Vijapur

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
1	2	3	4	5
Mahudi	484	0	07	32
	496	0	22	06
	497	0	15	12
	492/2	0	00	12
	498	0	11	67
	510	0	06	63
	511	0	10	16
	509/1	0	10	92
	509/2	0	02	32
	514	0	05	77
	517	0	07	01
	515	0	08	31
	516	0	05	85
	Cart track	0	00	75
	469	0	13	09
	416	0	16	36
	417/4	0	17	87
	419	0	04	17
	421	0	00	31
	420/1	0	08	48
	420/2	0	11	18
	404/1	0	07	77
	404/2	0	07	35
	394	0	11	70
	395	0	12	60
	391	0	13	15
	390	0	06	23
	389	0	12	54
	387	0	18	20
	386	0	16	65
	348/1+2	0	19	76
	349	0	13	05
	352	0	13	02
	Cart track	0	02	04
	231	0	07	12
	230	0	13	70
	229	0	05	64
	227/1	0	04	99
	226	0	05	36
	225/1	0	05	26
	225/2	0	02	25
	224	0	06	07
	223	0	03	37
	222	0	02	25

[No. O-12016/52/86-CNG-D4]

का.आ. 1701—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सोभासण-सी.टी.एफ. से साबर डेरी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

सोभासन सी. टी. एफ. से साबर डेरी तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला : मेहसाना तालुका : वीजापुर

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	आर	सेन्टीयर
1	2	3	4	5
पुंधरा	809	0	03	49
	808	0	31	57
	806/2	0	00	70
	806/3	0	03	07
	806/4	0	04	75
	805/1	0	09	05
	805/2	0	00	11
	804	0	10	04
	803/1	0	05	91
	803/2	0	06	68
	802	0	09	86
	762/1	0	15	26
	4			
	762/1	0	09	11
	3			
	762/1	0	07	02
	7			

1	2	3	4	5
	761	0	00	05
	659	0	20	38
	757	0	06	80
	660	0	02	87
	661	0	19	27
	675	0	07	72
	669	0	10	74
	674/6	0	00	20
	671/1	0	04	57
	671/2	0	08	12
	671/3	0	08	85
	670	0	04	32
	632/3	0	09	16
	633/3	0	10	25
	633/2	0	00	13
	625	0	09	65
	627	0	05	70
	626	0	13	11
	552/2	0	16	30
	552/1	0	00	61
	551/1	0	03	84
	551/2	0	05	28
	555/1	0	21	09
	559	0	13	20
	560	0	00	28
	561	0	04	72
	कार्ट ट्रेक	0	00	90
	500/1	0	10	64
	500/2	0	00	30
	500/3	0	10	12
	496	0	06	89
	495	0	18	07
	कार्ट/ट्रेक	0	00	30
	433	0	16	57
	426/पी	0	10	87
	425/1	0	00	07
	425/2	0	00	21
	425/3	0	01	40
	427	0	05	10
	424/1	0	02	12
	424/2	0	02	40
	424/3	0	03	71
	कार्ट/ट्रेक	0	00	42
	419	0	02	93
	417/2	0	10	90
	420/1	0	60	57
	420/2	0	12	78
	411	0	07	80
	413/3	0	00	26
	412/4	0	10	05
	412/2	0	10	51
	412/5	0	03	49
	406	0	12	60
	405	0	07	11
	कार्ट/ट्रेक	0	02	85
	372	0	02	35
	373/2	0	08	69
	374	0	10	00
	375/2	0	10	30
	375/1	0	00	84
	376/1	0	23	87
	376/2	0	00	15
	कार्ट/ट्रेक	0	01	47
	762/1/5	0	06	48

[सं. O-12016/53/86-ओ. एन जी-डी-4]

S.O. 1701.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Sobhasan CTF to Sabar Dairy in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara. (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be hear in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Sobhasan CTF to Sabar Dairy

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Vijapur

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
1	2	3	4	5
Pundhara	809	0	03	49
	808	0	31	57
	806/2	0	00	70
	806/3	0	03	07
	806/4	0	04	75
	805/1	0	09	05
	805/2	0	00	11
	804	0	10	04
	803/1	0	05	91

1	2	3	4	5
	803/2	0	06	68
	802	0	09	86
	762/1	0	15	26
	4			
	762/1	0	09	11
	3			
	762/1	0	07	02
	7			
	761	0	00	05
	659	0	20	38
	757	0	06	80
	660	0	02	87
	661	0	19	27
	675	0	07	72
	669	0	10	74
	674/6	0	00	20
	671/1	0	04	57
	671/2	0	08	12
	671/3	0	08	85
	670	0	04	32
	632/3	0	09	16
	633/3	0	10	25
	633/2	0	00	13
	625	0	09	65
	627	0	05	70
	626	0	13	11
	552/2	0	16	30
	552/1	0	00	61
	551/1	0	03	84
	551/2	0	05	28
	555/1	0	21	09
	559	0	13	20
	560	0	00	28
	561	0	04	72
	Cart track	0	00	90
	500/1	0	10	64
	500/2	0	00	30
	500/3	0	10	12
	496	0	06	89
	495	0	18	07
	Cart track	0	00	30
	433	0	16	57
	626/P	0	10	87
	425/1	0	00	07
	425/2	0	00	21
	425/3	0	01	40
	427	0	05	10
	424/1	0	02	12
	424/2	0	02	40
	424/3	0	03	71
	Cart track	0	00	42
	419	0	02	39
	417/4	0	10	90
	420/1	0	60	57
	420/2	0	12	78
	411	0	07	80
	413/3	0	00	26
	412/4	0	10	05
	412/2	0	10	51
	412/5	0	03	49
	406	0	12	60
	405	0	07	11
	Cart track	0	02	85
	372	0	02	35
	373/2	0	08	69
	374	0	10	00
	375/2	0	10	30
	375/1	0	00	84
	376/1	0	23	87
	376/2	0	00	15
	Cart track	0	01	47
	762/1/5	0	06	48

[No. O-12016/53/86-ONG-D4]

का.आ. 1702.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि असम राज्य में लाकूवा जि.जि. एस-5 से जि.जि.एस.-4 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप उपायुक्त, शिवसागर असम के कार्यालय में इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

आर.ओ. यू. लाकूवा जि.जि.एस-5 से जि.जि.एस-4 तक

राज्य : असम जिला : शिवसागर तालुक : बकता

ग्राम	सर्वे नम्बर	हेक्टर	ऐ रे	सेन्टिऐरे
1	2	3	4	5
पथालियाल	100/ख	0	36	79
कईबर्त	106/ख	0	4	68
	113/ख	0	14	58

[सं. O-12016/44/86-ओ. एन.जी-डी.-4]

S.O. 1702.—Whereas it apears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Lakwa G.G.S. 5 to G.G.S. 4 in Sibsagar Dist., Assam. Pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962) the laying of the pipelines under the land to the Competent right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, viz. the Deputy Commissioner, Sibsagar Assam.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

R.O.U. from Lakwa GGS-5 to GGS-4

Stato Assam District : Sibsagar Taluk : Bokatha

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centire
1	2	3	4	5
Pathalial Kaibarta	100/Kha	0	36	79
	106/Kha	0	4	68
	113/Kha	0	14	58

[No. O-12016/44/86-ONG-D4]

का.आ. 1703.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का.आ.सं. 2143 तारीख 8-5-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, अतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

एन.के.ई.पी. से एन.के.जी.जी.एस.II

राज्य : गुजरात जिला : अहमदाबाद तालुका : विरमग.म

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	आरें.	सेन्टीयर
बाल सासन	387/4	0	03	18
	कार्ट ट्रैक	0	00	60
	388/2	0	06	72
	392/2	0	13	44
	393	0	07	56
	394	0	06	12
	कार्ट ट्रैक	0	00	72
	402/पी	0	03	12
	402/पी	0	03	12
	402/पी	0	03	00
	402/पी	0	03	60
	413	0	04	08

[सं. O-12016/54/85-ओ.एन.जी-डी.-4]

S.O. 1703.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O 2143 dated 8-5-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from NKEP to NK GGS II

State : Gujarat District : Ahmedabad Taluka : Viramgam

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Balsasan	387/4	0	03	18
	Cart track	0	00	60
	388/2	0	06	72
	392/2	0	13	44
	393	0	07	56
	394	0	06	12
	Cart track	0	00	72
	402/P	0	03	12
	402/P	0	03	12
	402/P	0	03	00
	402/P	0	03	60
	413	0	04	08

[No. O-12016/59/85-ONG-D4]

का.आ. 1704:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में जंक्शन पाइन्ट से सी.टी. एफ. कलोल तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 31 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

जंक्शन पाइंट से सी.टी. एफ. कलोल तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला : मेहसाना तालुका : कलोल

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	आर.	सेन्टीयर
1	2	3	4	5
सईज	462	0	06	12
	475	0	01	85
	476/1	0	04	70
	484	0	01	94
	485	0	06	38
	483/1	0	02	14
	482/2	0	01	12
	483/2/बी	0	00	80
	482/1	0	01	78
	483/2/ए	0	01	20
	488/1/6	0	05	54
	488/1/5	0	02	54
	488/1/4	0	04	85
	489/1/ए	0	06	94
	488/4	0	00	65
	490/1	0	02	15
	491	0	04	46
	554	0	00	05
	कार्ट ट्रैक	0	00	30
	493/2	0	03	09
	553/3	0	24	94
	553/2	0	02	68
	552	0	06	00
	548/2	0	01	88
	548/1	0	00	20
	548/3	0	08	45
	549	0	03	64
	547/1	0	00	32
	547/2	0	05	60
	547/3	0	01	61
	542	0	09	82
	541/2	0	01	60
	539/2	0	04	08
	539/1	0	01	17
	कार्ट ट्रैक	0	00	25
	662/4	0	00	72
	662/2	0	01	85
	662/1	0	01	71
	661/2	0	00	50
	661/1	0	00	16
	661/3	0	00	10
	660/1	0	11	06
	659/1/बी	0	02	46
	659/3	0	02	81
	659/2	0	02	50
	654/2/बी	0	02	00
	654/1/बी	0	02	40
	654/1/ए	0	01	75
	कार्ट ट्रैक	0	01	45
	680	0	11	19

1	2	3	4	5
	681/4	0	01	35
	683	0	00	60
	686/1	0	02	38
	686/2	0	01	25
	687	0	01	59
	688/4	0	0ε	39
	688/3	0	01	05
	688/2	0	01	34
	688/1	0	00	55
	689	0	00	08
	690/4	0	01	32
	690/2	0	02	34
	690/1	0	00	64
	712/2	0	04	82
	700/1	0	03	26
	कैस	0	01	28
	696/2	0	08	43
	696/1	0	06	58
	697/ए	0	05	88
	699	0	07	62
	1212/1	0	01	22
	1212/2	0	00	30
	1214/1	0	02	40
	1213/1	0	08	09
	1213/2	0	02	82
	1216	0	11	20
	1210/1	0	01	14
	993	0	08	12
	978/2	0	00	80
	977	0	03	72
	976	0	00	64

[सं. O-12016/54/86-ओ एम जी-डी-4]

S.O. 1704.—Whereas it apears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Jn. Point to CTF Kalol in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission Construction and Maintenance Division, Makarpura Road Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Jn. point to CTF Kalol

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Kalol

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
1	2	3	4	5
Saij	462	0	06	12
	475	0	01	85
	476/1	0	04	70
	484	0	01	94
	485	0	06	38
	483/1	0	02	14
	482/2	0	01	12
	483/2/B	0	00	80
	482/1	0	01	78
	483/2/A	0	01	20
	488/1/6	0	05	54
	488/1/5	0	02	54
	488/1/4	0	04	85
	489/1/A	0	06	94
	488/4	0	00	65
	490/1	0	02	15
	491	0	04	46
	554	0	00	05
	Cart track	0	00	30
	493/2	0	03	09
	553/3	0	24	94
	553/2	0	02	68
	552	0	06	00
	548/2	0	01	88
	548/1	0	00	20
	548/3	0	08	45
	549	0	03	64
	547/1	0	00	32
	547/2	0	05	60
	547/3	0	01	61
	542	0	09	82
	541/2	0	01	60
	539/2	0	04	08
	539/1	0	01	17
	Cart track	0	00	25
	662/4	0	00	72
	662/2	0	01	85
	662/1	0	01	71
	661/2	0	00	50
	661/1	0	00	16
	661/3	0	00	10
	660/1	0	11	06
	659/1/B	0	02	46
	659/3	0	02	81
	659/2	0	02	50
	654/2/B	0	02	00
	654/1/B	0	02	40
	654/1/A	0	01	75
	Cart track	0	01	45
	680	1	19	80
	681/4	0	01	35
	683	0	00	60
	686/1	0	02	38
	686/2	0	01	25
	687	0	01	59
	688/4	0	03	39
	688/3	0	01	05
	688/2	0	01	34

1	2	3	4	5
	688/1	0	00	55
	689	0	00	08
	690/4	0	01	32
	690/2	0	02	34
	690/1	0	00	64
	712/2	0	04	82
	700/1	0	03	26
	Kans	0	01	28
	696/2	0	00	43
	696/1	0	06	58
	697/A	0	05	88
	699	0	07	62
	1212/1	0	01	22
	1212/2	0	00	30
	1214/1	0	02	40
	1213/1	0	08	09
	1213/2	0	02	82
	1216	0	11	20
	1210/1	0	01	14
	993	0	08	12
	978/2	0	00	80
	977	0	03	72
	976	0	00	64

[No. O-12016/54/86-ONG—D-4]

का.आ. 1705.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में हजीरा से उत्रान तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

हजीरा से उत्राव तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला : सूरत तालुका : ओलपाड

गांव	ब्लाक नं.	हेक्टेयर	आर.	सेंटीयर
गोथान	371	0	33	68

[सं. O-12016/55/86-ओ.एन.जी.-डी-4]

S.O. 1705.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hajira to Utran in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be head in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe line from Hajira to Utran

State : Gujarat District : Surat Taluka : Olpad

Village	Block No.	Hec-tare	Are	Cen-tiare
Gothan	371	0	33	68

[NO. O-12016/55/86-ONG-D-4]

नई दिल्ली, 14 अप्रैल, 1986

का.आ. 1706.—पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 2 के खण्ड (क) के अनुसरण में और भारत सरकार पेट्रोलियम मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की दिनांक 26-6-1976 की अधिसूचना एस.ओ.सं. 2171 का अधिक्रमण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा नीचे दी गई अनुसूची के कालम 1 में उल्लिखित प्राधिकारी को कथित अधिनियम के अधीन उक्त अनुसूची के कालम 2 में प्रविष्टि में उल्लिखित क्षेत्रों के अन्दर सक्षम प्राधिकारी के कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है ।

अनुसूची

प्राधिकारी का नाम और पता	क्षेत्र
1	2
श्री ए. के. गर्ग, सीनियर पाइपलाइन इंजीनियर, इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लि., सलाया-मथुरा पाइपलाइन सेन्दरा पम्प स्टेशन, पोस्ट ऑफिस—सेन्दरा, जिला—पाली, राजस्थान—306102	राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश

[सं. ओ-12017/1/81-प्रोड]

पी. के. राजगोपालन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 14th April, 1986

S.O. 1706.—In pursuance of Clause (a) of Section 2 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) and in supersession of the notification of the Government of India Ministry of Petroleum (Deptt. of Petroleum) S.O. No. 2171 dated 26-6-1976, the Central Government hereby authorises the authority mentioned in Column 1 of the schedule below to perform the functions of the Competent Authority under the said Act, within the areas mentioned in the corresponding entry in column 2 of the said Schedule.

SCHEDULE

Authority and Address	Areas
Shri A. K. Garg, Sr. Pipeline Engineer Indian Oil Corporation Ltd. Salaya-Mathura Pipelines, Sendra Pump Station P. O. Sendra, Pali District Rajasthan-306102	Rajasthan and Uttar Pradesh

[No. O-12017/1/86-Prod.]

P. K. RAJAGOPALAN, Desk Officer

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1986

का. आ. 1707.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी.-58/बी, ऊलीगंज, लखनऊ-226 020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच०बी०जे० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
कानपुर देहात	डेरापुर	डेरापुर	भूपतियापुर	413/485	0-07	

[सं० ओ-14016/408/84-जीपी]

New Delhi, the 15th April, 1986

S.O. 1707.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid down by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd., H.B.J. Pipeline Project B-58|B, Aliganj, Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplimentry Case Schedule)

H. B. J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Kanpur Dehat	Dera-Pur	Dera Pur	Bhupati Pur	413/485	0-07	

[No. O-14016/1408/84-GP]

का. आ. 1708.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी.-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226 020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच०बी०जे० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल		विवरण
1	2	3	4	5	6		7
रायबरेली	महाराजगंज	इन्होना	रसवलिया	853	0	1	0
			मझार	1156	0	2	0
				1165	0	0	3

[सं० ओ-14016/4/84-जीपी]

S.O. 1708.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid down by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) At, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J Pipeline Project, B-58/B, Aliganj, Lucknow-226 020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplimentary Case (Schedule)
H. B. J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Rai Barrely	Mahraj Ganj	Inhou-na	Rawa-liya	853	0-1-0	
			Majhar	1156	0-2-0	
				1165	0-0-3	

]No. O—14016/4/84-GP]

का. आ. 1709.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी.-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226 020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच०बी०जे० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल		विवरण
1	2	3	4	5	6		7
रायबरेली	महाराजगंज	सेमरौता	सैमरौता	203	0	1	0
				209	0	0	5

[सं० ओ-14016/4/84-जीपी]

S.O. 1709.—Whereas it appear to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid down by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J Pipeline Project, B-58/B, Aliganj, Lucknow-226 020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplimentry Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Rai Barrely	Mahraj Ganj	Semra-uto	Semrouta	203	0 1-0	
				209	0-0-5	

] [No. O—14016 4/84-GP]

का. आ. 1710.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी.-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226 020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी को मार्फत ।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच०बी० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल			विवरण
1	2	3	4	5	6			7
रायबरेली	महाराज गंज	सैमरोता	कोटवा-	1253	0	1	0	
			महमूवा-	1267	0	0	5	
			बाद	1151	0	3	0	
				1122	0	8	0	

[सं० ओ-14016/4/84-जीपी]

S.O. 1710.—Whereas it appear to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid down by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J Pipeline Project, B-58|B, Aliganj, Lucknow-226 020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplimentry Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Rai Barrely	Mahraj Ganj	Samro-uta	Kotva-ma-hamau-dabad	1253	0-1-0	
				1267	0-0-5	
				1151	0-3-0	
				1122	0-8-0	

[No. O—14016/4/84-GP]

का. आ. 1711.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद् उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी.-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226 020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी को मार्फत ।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच०बी०जे० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल			विवरण
1	2	3	4	5	6			7
कानपुर शहर	कानपुर शहर	कानपुर शहर	सोना	1328	0	0	7	5

[सं० ओ-14016/6/84-जीपी]

S.O. 1711.—Whereas it appear to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid down by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government

hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J Pipeline Project, B-58|B, Aliganj, Lucknow-226 020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary case (Schedule)
H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acers	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Kanpur City	Kanpur City	Kanpur City	Sona	1328	0–7–5	

No. O—14016/6/84-GP]

का. आ. 1712.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्दपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी.-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226 020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच०बी०जे० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद शहर	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
कानपुर शहर	कानपुर शहर	कानपुर शहर	नगवा	113	0 5 0	
				163	0 3 0	
				165	0 1 10	
				227	0 3 0	
				234	0 2 0	
				250	0 2 0	
				395	0 3 0	
				66	0 4 0	
				106	1 5 0	
				232	0 1 5	
				403	0 1 10	
				399	0 7 0	
				400	0 2 0	
				54	0 2 0	

[सं० ओ-14016/6/84-जीपी]

S.O. 1712.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid down by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J Pipeline Project, B-58|B, Aliganj, Lucknow-226 020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)
H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acers	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Kanpur City	Kanpur City	Kanpur City	Nagay-wa	113	0–5–0	
				163	0–3–0	
				165	0–1–0	
				227	0–3–0	
				234	0–2–0	
				250	0–2–0	
				395	0–3–0	
				66	0–4–0	
				106	1–5–0	
				232	0–1–5	
				403	0–1–10	
				399	0–7–0	
				400	0–2–0	
				54	0–2–0	

[No. O—14016/6/84-GP]

का. आ. 1713.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्दुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी.-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226 020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक वाद अनुसूची

एच०बी०जे० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
कानपुर शहर	कानपुर शहर	कानपुर शहर	तौधक पुर	296 104 150	0 3 0 0 1 0 0 1 10	

[सं० ओ-14016/6/84-जीपी]

S.O. 1713.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid down by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J Pipeline Project, B-58/B, Aliganj, Lucknow-226 020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acers	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Kanpur City	Kanpur City	Kanpur City	Taudhk Pur	296 104 150	0–3–0 0–1–0 0–1–10	

—No. O—14016/6/84-GP]

का. आ. 1714.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्दुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी.-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226 020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक वाद अनुसूची

एच०बी०जे० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
कानपुर शहर	कानपुर शहर	कानपुर शहर	सजारी	226	0 6 0	

[सं० ओ-14016/6/84-जीपी]

S.O. 1714.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid down by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J Pipeline Project, B-58/B, Aliganj, Lucknow-226 020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplimentary Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Kanpur City	Kanpur City	Kanpur City	Sajari	226	0-6-0	

[No. O—14016/6/84-GP]

का. आ. 1715.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद् पावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी.-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226 020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच०बी०जे० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
कानपुर शहर	कानपुर शहर	कानपुर शहर	शेखपुर	786	0 6 10	

[सं० ओ-14016/6/84-जीपी]

S. O. 1715.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid down by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J Pipeline Project, B-58/B, Aliganj, Lucknow-226 020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Kanpur City	Kanpur City	Kanpur City	Shekhupur	786	0-6-10	

[No. O—14016/6/84-GP]

का. आ. 1716.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद् पावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी.-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226 020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच०बी०जे० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
कानपुर शहर	कानपुर शहर	कानपुर शहर	सरनेतपुर	58	0 8 5	

[सं० ओ-14016/6/84-जीपी]

S.O 1716.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid down by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J Pipeline Project, B-58/B, Aliganj, Lucknow-226 020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)
H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Kanpur City	Kanpur City	Kanpur City	Sernet-pur	58	0/8/5	

[No. O—14016/6/84-GP]

का. आ. 1717.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्द पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक वाद अनुसूची
एच०बी०जे० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल			विवरण
1	2	3	4	5	6			7
कानपुर शहर	कानपुर शहर	कानपुर शहर	भैरमपुर	97	1	1	10	
				1065	0	2	5	
				1096	0	1	0	

[सं० ओ-14016/6/84-जीपी]

S.O. 1717.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid down by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J Pipeline Project, B-58/B, Aliganj, Lucknow-226 020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)
H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Kanpur City	Kanpur City	Kanpur City	Bharan-pur	97	1-1-10	
				1065	0-2-5	
				1096	0-1-0	

[No. O-14016/6/84-GP]

का. आ. 1718.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्द पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक वाद अनुसूची
एच०बी०जे० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल			विवरण
1	2	3	4	5	6			7
कानपुर शहर	कानपुर शहर	कानपुर शहर	कौंधा	650	0	0	10	

[सं० ओ-14016/6/84-जीपी]

S.O. 1718.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid down by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J Pipeline Project, B-58/B, Aliganj, Lucknow-226 020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)
H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Kanpur City	Kanpur City	Kanpur City	Kaidha	650	0-0-10	

[No. O—14016/6/84-GP]

का. आ. 1719.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक बाद अनुसूची
एच०बी०जे० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
कानपुर शहर	कानपुर शहर	कानपुर शहर	सेनपुरवा पारा	1283	0 1 10	

[सं० ओ-14016/6/84-जीपी]

S.O. 1719.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid down by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)
H.B.J. Gas Pipeline Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Kanpur City	Kanpur City	Kanpur City	Sain-purvi-Para	1283	0-1-10	

[No. O—14016/6/84-GP]

का. आ. 1720.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक बाद अनुसूची
एच०बी०जे० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
कानपुर शहर	कानपुर शहर	कानपुर शहर	परसौली	204	0 2 0	

[सं० ओ-14016/6/84-जीपी]

S.O. 1720.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid down by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J Pipeline Project, B-58|B, Aliganj, Lucknow-226 020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)
H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Kanpur City	Kanpur City	Kanpur City	Persouly	204	0-2-0	

[No. O—14016/6/84-GP]

का. आ. 1721.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक बाद अनुसूची
एच.बी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजैक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
कानपुर शहर	कानपुर शहर	कानपुर शहर	बिन-गवां	939	0-0-15	

[सं. ओ-14016/6/84-जी पी]

S.O. 1721.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid down by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J Pipeline Project, B-58|B, Aliganj, Lucknow-226 020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary case (Schedule)
H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Kanpur City	Kanpur City	Kanpur-City	Binga-awa	939	0-0-15	

[No. O—14016/6/84-GP]

का. आ. 1722.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली—जगदीशपर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्धा अनुसूची में वर्णित भूमि मे उपयोग करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू.

पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक बाद अनुसूची
एच.बी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
राय बरेली	महराज गंज	सेम-रौता	जमुरावा	1920	0-0-2	
				1892	0-0-5	

[सं. ओ-14016/15/84-जीपी]

S.O. 1722.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid down by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J Pipeline Project, B-58/B, Aliganj, Lucknow-226 020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)
H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Rai-barelly	Mahraj Ganj	Samro-outa	Jmu-rawa	1920	0-0-2	
				1892	0-0-5	

[No. O.-14016/15/84-GP]

का. आ. 1723.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक बाद अनुसूची
एच.बी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
उन्नाव	उन्नाव	हड्हा	करनीपुर	862	0-0-12	
			शिवपुरी	837	0-1-0	

[सं. ओ-14016/96/84-जीपी]

S.O. 1723.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid down by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J Pipeline Project, B-58/B, Aliganj, Lucknow-226 020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)
H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Unnao	Unnao	Hadha	Karnee-pur	862	0-0-12	
			Shiv-Puri	837	0-1-0	

[No. O—14016/96/84-GP]

का. आ. 1724.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए । और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का

प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक वाद अनुसूची
एच.बी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजैक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
बदायूं	दातागंज	सलेमपुर	खुकड़ी	614	1—0—0	

[सं. ओ—14016/130/85-जीपी]

S.O. 1724.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid down by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J Pipeline Project, B-58|B, Aliganj, Lucknow-226 020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)
H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Badaun	Data-ganj	Salem-pur	Khukri	614	1—0—0	

[No. O—14016/130/85-GP]

का. आ. 1725.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद् पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक वाद अनुसूची
एच.बी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजैक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
रायबरेली	महराज-गंज	इन्होना	बन-भरिया	2448 2491	0—0—5 0—0—9	

[सं. ओ-14016/160/84-जीपी]

S.O. 1725.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid down by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J Pipeline Project, B-58|B, Aliganj, Lucknow-226 020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)
H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acers	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Rai Barrely	Mahraj Ganj	Inhou-na	Bun-Bhariya	2448 2491	0—0—5 0—0—9	

[No. O—14016/160/84-GP]

का. आ. 1726 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद् पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है :

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच.बी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजैक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
कानपुर देहात	अकबर पुर	अकबर पुर	सराय हरपाली	470 601	0—1—0 0—2—0	

[सं. ओ-14016/193/84-जीपी]

S.O. 1726.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum, from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State pipeline should be laid down by the Gas Authority of India Ltd.;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J Pipeline Project B-58|B, Aliganj, Lucknow-226020 U.P.;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplimentry Case (SCHEDULE)

H.B.J. Gas Pipe Line Project.

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No	Area in Acres	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Kanpur Dehat	Akbar pur	Akbar-pur	Sraiya harpali	470 601	0-1-0 0-2-0	

[No. O-14016/193/84-GP]

का.आ. 1727.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद-द्वारा घोषित किया है :

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ 226 020,यू.पी., को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच.बी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजैक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
बवायुं	बिसौली	सतासी	सिसैया	79	0—6—0	

[सं. ओ-14016/213/85-जीपी]

S.O. 1727.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum, from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd., H.B.J. Pipeline Project, B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020 U.P.;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplimentry Case (SCHEDULE)

H.B.J. Gas Pipe Line Project.

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Areain Acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Badaun	Besouli	Satasi	Sesaiya	79	0-6-0	

[No. O-14016/213/85-GP]

का.आ. 1728.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्दीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्-द्वारा घोषित किया है :

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी. 58/बी, अलीगंज, लखनऊ 226 020 यू.पी., को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच.बी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
बदायूं	बिसौली	सतासी	सैंडौली	142	0-1-0	
				315	1-0-0	
				304	0-1-0	
				345	0-16-0	
				369	0-12-0	

[सं. ओ-14016/225/85-जीपी]

S.O. 1728.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum, from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State pipeline should be laid down by the Gas Authority of India Ltd.;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd., H.B.J. Pipeline Project, B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (SCHEDULE)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in Acres B.B.B.	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Badaun	Besouli	Satsai-	Saidou-lly	142	0-1-0	
				315	1-0-0	
				304	0-1-0	
				345	0-16-0	
				369	0-12-0	

[No. O-14016/225/85-GP]

का.आ. 1729.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तरप्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्-द्वारा घोषित किया है :

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020, यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच.बी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल बी.वि.वि.	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
हरदोई	बिलग्राम	कठियारी	सूरजपुर धर्जना सीसाला	206	0-0-5	

[सं. ओ-14016/255/85-जीपी]

S.O. 1729.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020 U.P.;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (SCHEDULE)

H.B.J. Gas Pipe Line Project.

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot no.	Area in Acres B B B.	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Hardoi	Bilgram	Katiyari	Suraj pur, Durjana sisala	206	0-0-5	

[No. O-14016/255/85-GP]

का. आ. 1730.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020, यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच.बी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजैक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
बदायूं	बिसौली	इस्लाम नगर	रूपायम पट्टी पृथ्वीसिंह	234 363	0-1-15 0-0-15	

[सं. ओ-14016/260/85-जीपी]

S.O. 1730.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd., H.B.J. Pipeline Project, B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (SCHEDULE)

H.B.J. Gas Pipe line Project.

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in Acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Badaun	Besouli	Islam Nagar	Rupain Patti Perthive Singh	234 363	0-1-15 0-0-15	

[No. O-14016/260/85-GP]

का. आ. 1731:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है :

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020, यू. पी., को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच.बी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजैक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
बदायूं	बिसौली	इस्लाम नगर	भगवन्त नगर	329 333 249	0–5–0 0–1–10 0–1–0	

[सं. ओ-14016/280/85-जीपी]

S.O. 1731.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum, from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd., H.B.J. Pipeline Project B-58|B, Aliganj, Lucknow-226020 U.P.;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (SCHEDULE)

H.B.J. Gas Pipe Line Project.

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in Acres	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Badaun	Bisouli	Islam Nagar	Bhagwant Nagar	329 333 249	0-5-0 0-1-10 0-1-0	

[No. O-14016/280/85-GP]

का. आ. 1732 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद् पावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है :

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच.बी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
उन्नाव	पुरवा	पुरवा	चन्दीगढ़ी	112 325 101/406	0–2–8 0–0–5 0–1–0	

[सं. ओ-14016/296/84-जीपी]

S.O. 1732.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the the transport of petroleum, from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd., H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplimentary Case SCHEDULE)

H.B.J. Gas Pipe Line Project.

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in Acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Unnao	Purwa	Purwa	Chandea Gadee	112 325 101/406	0-2-8 0-0-5 0-1-0	

[No. O-14016/296/84—GP]

का. आ. 1733 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक वाद अनुसूची

एच० बी० जे० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
रायबरेली	महराजगंज	सेमरौता	पहनासा	395	0 0 10	
				377	0 0 5	
				363	0 0 5	
				243	0 11 0	

[सं० O-14016/316/84—जी पी]

S.O. 1733.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J. Pipeline Project B-58/B Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplimentry Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project.

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Rai Bareily	Mahraj Ganj	Samrouta	Pahnasha	395	0-0-10	
				377	0-0-5	
				363	0-0-5	
				243	0-11-0	

[No. O-14016/316/84-GP]

का. आ. 1734 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद् पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी-58/बी, अलीगंज लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक वाद अनुसूची

एच० बी० जे० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
कानपुर देहात	अकबर पुर	अकबर पुर	फतेहपुर रोशनाई	468	0 1 0	
				464	0 15 0	

[सं० O-14016/320/84—जी पी]

S.O. 1734.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and

Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J. Pipeline Project B-58/B. Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplimentary Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in areas	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Kanpur Dehat	Akbar pur	Akbar-pur	Fateh-Rpur Roshnai	468 464	0-1-0 0-15-0	

[No. O-14016/320/84-GP]

का. आ. 1735 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच० बी० जे० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
कानपुर देहात	अकबर-पुर	अकबर-पुर	भिगना-पुर	727	0 0 10	

[सं० O-14016/346/84—जी पी

S.O. 1735.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J. Pipeline Project B-58/B Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplimentary Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No	Area in acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Kanpur Dehat	Akbar-pur	Akbar-pur	Bhigna pur	727	0-0-10	

[No. O-14016/346/84-GP]

का. आ. 1736 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच० बी० जे० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
कानपुर देहात	अकबर-पुर	अकबर-पुर	भटिया-मऊ	167	0 0 13	
				168	0 0 7	
				563	0 8 14	
				691	0 14 6	
				692	0 6 10	
				693	1 2 8	
				762	1 9 7	

[सं० O-14016/356/84-जी पी]

S.O. 1736.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J. Pipeline Project B-58/B Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)

H.B.J. Gas pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot no No.	Area in acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Kanpur Dehat	Akbar-pur	Akbar-pur	Matiya-mow	167	0-0-13	
				168	0-0-07	
				563	0-8-14	
				691	0-14-06	
				692	0-6-10	
				693	1-2-08	
				762	1-9-07	

[No. O-14016/356/84-GP]

का. आ. 1737 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

63 GI/86—6.

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी पाइपलाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी भारतीय गैस प्राधिकरण लि., जी-58/बी, अलीगंज लखनऊ-226020, यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिशः रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच० बी० जे० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
बदायूं	दातागंज	सलेमपुर सेरहा-	खाम	234	0 6 0	
				238	0 10 00	

[सं. O-14016/375/85-जी पी]

S.O. 1737.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J. Pipeline Project B-58/B Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplimentary Case SCHEDULE)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Badaun	Data ganj	Slempur	Sorha-kham	234	0-6-0	
				238	0-10-0	

[No. O-14016/375/85-GP]

का. आ. 1738 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020, यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजैक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
इटावा	बिधुना	बिधुना	नवाबाद	187—	0 0 4	
				503—	0 0 4	
				188—	0 0 1	
				36—	0 0 4	
				411—	0 0 2	

[सं. O-14016/389/84-जी.पी.]

S.O. 1738.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplimentry Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line (Project)

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot no.	Area in acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Etawah	Bidhuna	Bidhuna	Noddad	187	0-0-4	
				503	0-0-4	
				188	0-0-1	
				36	0-0-4	
				411	0-0-2	

[No. O-14016/389/84-GP]

का. आ. 1739 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजैक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
कानपुर देहात	डेरापुर	डेरापुर	नोवरी खुर्द	1268	0 2 15	
				1389/1450	0 1 0	

[सं. O-14016/402/84-जी.पी.]

S.O. 1739.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J. Pipeline Project B-58/B Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot no	Area in acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Kanpur Dehat	Derapur	Derapur	Nonori Bujurg	1268	0-2-15	
				1389	0-1-0	
				1450		

[No. O-14016/407/84-GP]

का. आ. 1740 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020, यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच० बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजैक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
कानपुर देहात	डेरापुर	डेरापुर	उमरी बुजुर्ग	497	0 0 8	
				502	0 2 0	

[सं. O-14016/404/84-जी० पी]

S.O. 1740.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competen Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot no	Area in acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Kanpur Dehat	Derapur	Derapur	Umarea Bujurg	497	0-0-8	
				502	0-2-0	

[No. O-14016/404/84-GP]

का. आ. 1741 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020-यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजैक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
कानपुर देहात	डेरापुर	डेरापुर	ररौख	275	0 1 10	
				320	0 0 10	

[सं. O-14016/407/84-जी.पी.]

S.O. 1741.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J. Pipeline Project B-58/B Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Kanpur Dehat	Derapur	Derapur	Rurukh	275	0-1-0	
				320	0-0-10	

[No. O-14016/407/84-GP]

का. आ. 1742 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020-यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
कानपुर देहात	डेरापुर	डेरापुर	गुरिया-पुर	21	0 16 10	

[O-14016/426/84-जी.पी]

S.O. 1742.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Kanpur Dehat	Derapur	Derapur	Guriya pur	21	0-16-10	

[No. O-14016/426/84-GP]

का. आ. 1743 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-

226020-यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक वाद अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
कानपुर देहात	डेरापुर	डेरापुर	चिलौली	1224	0 2 5	
				1286	0 2 0	

[सं. O-14016/491/84-जी. पी.]

S.O. 1743.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J. Pipeline Project B-58/B Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No	Area in acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Kanpur Dehat	Derapur	Derapur	Chaully	1224	0-2-05	
				1286	0-2-0	

[No. O-14016/491/84-GP]

का. आ. 1744 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020-यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

हाजिरा, बरेली, जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

अनुसूची

जिला	परगना	तहसील	ग्राम का नाम	प्लाट नं.	लिया गया क्षेत्र रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
इटावा	औरैय्या	औरैय्या	खजुहा	30	0 0 1	

[सं. O-14016/430/84-जी. पी.]

S.O. 1744.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J. Pipeline Project B-58/B Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)

H.B.J. Pipe Line Project

District	Pargana	Tehsil	Village	Plot no	Area acquired	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Etawha	Auriya	Auriya	Khjuha	30	0-0-1	

[N. O-14016/430/84-GP]

नई दिल्ली, 16 अप्रैल, 1986

का. आ. 1745 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यत: प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अत: अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल			विवरण
1	2	3	4	5	6			7
बरेली	आंवला	आंवला	नौगवां	1004	0	1	0	
			ठकुरान	1030	0	2	5	
				984	1	0	0	

[सं. ओ-14016/155/85-जीपी]

New Delhi, the 16th April, 1986

S.O. 1745.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Bareily	Awala	Awala	Naugawa	1004	0-1-0	
				1030	0-2-05	
			Thakran	984	1-0-0	

[No. O-14016/155/85-G.P.]

का. आ. 1746 :—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यत: प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अत: अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल			विवरण
1	2	3	4	5	6			7
बरेली	आंवला	आंवला	नकट-पुर	94	0	0	10	

[सं. ओ-14016/157/85-जीपी]

S.O. 1746.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Bareily	Awala	Awala	Nakatpur	94	0-0-10	

[No. O-14016/157/85-G.P.]

का. आ. 1747.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020, यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
इटावा	बिधुना	बिधुना	अग्रहरा	677	0 34	

[सं. ओ-14016/401/84-जीपी]

S.O. 1747.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remark
Etawah	Bidhuna	Bidhuna	Augra-hara	677	0–34	

[No. O-14016/401/84-GP]

का. आ. 1748.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020, यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
इटावा	बिधुना	बिधुना	भगवंत-पुर	93	0 03	
				169	0 04	

[सं. ओ-14016/392/84-जीपी]

S.O. 1748.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Etawah	Bidhuna	Bidhuna	Bhag-wantpur	93	0–03	
				169	0–04	

[No. O-14016/392/84-GP]

का. आ. 1749 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020, यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक वाद अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
बरेली	आंवला	आंवला	पथरी	300	0 2 0	

[सं. ओ-14016/449/85-जीपी]

S.O. 1749.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Bareily	Awala	Awala	Pathri	300	0-2-0	

[No. O-14016/449/85-G.P.]

का. आ. 1750 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020, यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक वाद अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
बदायूं	गुन्नौर	असद-पुर	सुल्तान-गढ़	756	0 0 15	

[सं. ओ-14016/462/85-जीपी]

S.O. 1750.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Badaun	Gunnour	Asadpur	Sultangarh	756	0-0-15	

[No. O-14016/462/85-G.P.]

का. आ. 1751 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्उपावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020, यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
बदायूं	गुन्नौर	रजपुरा	कृतिया	68	0 0 5	

[सं. ओ-14016/478/85-जीपी]

that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority. Gas Authority of India Ltd. H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Badaun	Gunnour	Rajpura	Kritya	68	0-0-5	

[No. O-14016/478/85-G.P.]

का. आ. 1752 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्उपावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
बदायूं	बिसौली	इस्लाम-नगर	रामपुर	71	0 1 0	

[सं. ओ-14016/285/85-जीपी]

S.O. 1752.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J. Pipeline Project, B-58|B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary case (schedule)
H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot no. No.	Area in acres	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Badaun	Besoully	Islam-Nagar	Ram-pur	71	0–1–0	

]No. O-14016/285/85-GP]

का. आ. 1753 :—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यत: प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अत: अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020, य.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक वाद अनुसूची
एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6.	7
बदायूं	बिसौली	इस्लाम-नगर	बिक्रमपुर चरसरा	435	0 1 0	

[सं. ओ-14016/277/85–जीपी]

S.O. 1753.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)
H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot no.	Area in acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Badaun	Besouly	Islam nagar	Bichrum pur Char seeura	435	0–1–0	

[No. O-14016/277/85-GP]

का. आ. 1754 :—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यत: प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अत: अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक वाद अनुसूची
एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
बदायूं	बिसौली	इस्लाम-नगर	एतमाद-पुर	161	0 9 0	
				240	0 1 0	

[सं. ओ-14016/283/85–जीपी]

S.O. 1754.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot no.	Area in acres	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Badaun	Besoully	Islam nagar	Atmad pur	161	0-9-0	
				240	0-1-0	

[No. O-14016/283/85-G.P.]

का. आ. 1755 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020, यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
उन्नाव	पुरवा	मौरावां	महारानी खेड़ा	536	0 0 15	
				45	0 0 15	

[सं. ओ-14016/295/84-जीपी]

S.O. 1755.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Unnao	Purwa	Mourawa	Maharani Kheda	536	0-0-15	
				45	0-0-15	

[No. O-14016/295/84-G.P.]

का. आ. 1756.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020, यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक वाद अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
कानपुर देहात	डेरापुर	डेरापुर	बिसोहा	685	0 0 13	
				885	0 3 0	

[सं. ओ-14016/417/84-जीपी]

S.O. 1756.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District Tahsil	Pargana Village	Plot no.	Area in acres	Remarks
1 2	3 4	5	6	7
Kanpur Dehat Derapur	Derapur Besoha	685	0-0-13	
		885	0-3-0	

[No. O-14016/417/84-G.P.]

का. आ. 1757 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020, यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक वाद अनुसूची

एच०बी०जे० गैस पाइप लाईन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
कानपुर देहात	अकबर पुर	अकबर पुर	करवक	932	0 3 10	
				941	0 3 0	

[सं० O-14016/196/84-जी०पी०]

S.O. 1757.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Haijra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplimentary Cate (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District Tahsil	Pargana Village	Plot No	Area in acres	Remark
1 2	3 4	5	6	7
Kanpur Dehat Akbarpur	Akbarpur Karvack	932	0-3-10	
		941	0-3-0	

[No. O-14016/196/84-G.P.]

का. आ. 1758.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020, यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिशः रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच०बी०जे० गैस पाइप लाईन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
रायबरेली	महराज गंज	बछरावां	बमांवा	1732	0 0 12	

[सं० O-14016/161/84-जी० पी०]

S.O. 1758.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No	Area in acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Rai-Bareily	Maha-Raj Ganj	Bachhra-wan	Bam-nawa	1732	0-0-12	

[No. O-14016/161/84-GP]

का. आ. 1759.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020, यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिशः रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच०बी०जे० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
कानपुर देहात	डेरापुर	डेरापुर	लउवा	130	0 3 0	

[सं० O-14016/459/85-जी० पी०]

S.O. 1759.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira—Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd., H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Kanpur Dehat	Dera-pur	Dera-pur	Lauywa	130	0-3-0	

[O-14016/459/85-GP]

का. आ. 1760.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020, यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच०बी०जे० गैस पाइप लाईन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
कानपुर देहात	डेरापुर	डेरापुर	बहेरा	723	0 1 5	
				724	0 19 10	
				698	0 1 0	

[सं० O-14016/474/85-जी० पी०]

S.O. 1760.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd., H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District Thasil	Pargana Village	Plot no.	Area in acres	Remarks
Kanpur Dera-Dehat pur	Dera- Behera pur	723	0-1-5	
		724	0-19-10	
		698	0-1-0	

[No. O-14016/474/85-GP]

का. आ. 1761.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020, यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच०बी०जे० गैस पाइप लाईन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
बरेली	आंवला	आंवला	आसपुर	124	1 0	0

[सं० O-14016/289/85-जी० पी०]

S.O. 1761.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira—Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd., H.B.J. Pipeline Project, B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020 U.P.;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (SCHEDULE)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in Acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Bareily	Awala	Awala	Auspur	124	0-1-0	

[No. O-14016/289/85-GP]

का. आ. 1762.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी-58/बी, अलीगंज लखनऊ-226020, यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक वाद अनुसूची

एच०बी०जे० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
बरेली	आवला	आवला	मनपुरा	152	0- 6- 0	
				154	0- 1- 0	

[सं० O-14016/286/85-जी० पी०]

S.O. 1762.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd., H.B.J. Pipeline Project, B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020 U.P.;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (SCHEUDLE)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No	Area in Acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Bareily	Awala	Awala	Man-pura	152	0-6-0	
				154	0-1-0	

[No. O-14016/286/85-GP]

का. आ. 1763.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है :

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है :

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020, यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक वाद अनुसूची

एच०बी०जे० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
कानपुर शहर	कानपुर शहर	कानपुर शहर	अहिरी	716	0- 0- 5	
				824	0- 5- 10	
				976	0- 3- 0	
				676	0- 0- 10	

[सं० O-14016/52/84-जी० पी०]

S.O. 1763.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd., H.B.J. Pipeline Project, B-58|B. Aliganj, Lucknow 226020 U.P.;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary case (SCHEDULE)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in Acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Kanpur City	Kanpur City	Kanpur City	Dhirwan	716	0-0-5	
				824	0-5-10	
				976	0-3-0	
				676	0-0-10	

[No. O-14016/57/85-GP]

का. आ. 1764.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यत: प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अत: अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी-58/बी, अलीगंज लखनऊ-226020, यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच.बी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
कानपुर शहर	कानपुर शहर	कानपुर शहर	सेन पश्चिम पारा	1467	0-3-5	

[सं. ओ-14016/51/84-जी.पी.]

S.O. 1764.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd., H.B.J. Pipeline Project, B-58|B. Aliganj, Lucknow 226020 U.P.;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplimentary Case (SCHEDULE)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in Acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Kanpur city	Kanpur city	Kanpur city	Sain Pachim-pura	1467	0-3-5	

[No. O-14016/51/84-GP]

का. आ. 1765.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यत: प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अत: अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी,

भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020, यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक वाद अनुसूची

एच०बी०जे० गैस पाइप लाईन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
बरेली	आंवला	आंवला	पमारी	37	0-0-05	

[सं० ओ-14016/439/85-जी०पी०]

S.O. 1765.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd., H.B.J. Pipeline Project, B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (SCHEDULE)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in Acres	Re-marks
1	2	3	4	5	6	7
Bareily	Awala	Awala	Pamari	37	0-0-5	

[No. O-14016/439/85-GP]

का. आ. 1766.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

63 GI/85—8.

कोई व्यक्ति उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020, यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक वाद अनसूची

एच०बी०जे० गैस पाइप लाईन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
कानपुर शहर	कानपुर शहर	कानपुर शहर	मवइया	271	0-1-0	
				1446	0-0-10	
				1464	0-7-10	
				1515	0-2-0	
				1518	0-10-0	

[सं० O-14016/151/84-जी०पी०]

S.O. 1766.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd., H.B.J. Pipeline Project, B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020 U.P.;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (SCHEDULE)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in Acres	Re-marks
Kanpur city	Kanpur city	Kanpur city	Maiya	271	0-1-0	
				1446	0-0-10	
				1464	0-7-10	
				1515	0-2-0	
				1518	0-10-0	

[No. O-14016/151/84-GP]

का. आ. 1767.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020, यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुपूरक वाद अनुसूची

एच०बी०जे० गैस पाइप लाईन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
बरेली	आंवला	आंवला	रामपुर काकिर	535	1 0 0	
				512	0—4—0	
				509	0—1—0	
				389	0—1—10	
				348	1—0—0	
				6	0—1—5	
				386	2—0—0	

[सं० O-14016/153/85-जी०पी०]

S.O. 1767.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd., H.B.J. Pipeline Project, B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

1	2	3	4	5	6	7
Barcly	Awala	Awala	Rampur Kaker	535	1-0-0	
				512	0-4-0	
				509	0-1-0	
				389	0-1-10	
				348	1-0-0	
				6	0-1-05	
				386	2-0-0	

[No. O-14016/153/85-GP]

का. आ. 1768.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020, यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुपूरक वाद अनुसूची

एच०बी०जे० गैस पाइप लाईन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल	विवरण
फर्रुखाबाद	छिबरामऊ	तालग्राम	चियासर	548	0—82	

[सं० O-14016/157/85-जी० पी०]

S.O. 1768.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd;

And whereas, it appears that for the puropse of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authaority of India Ltd. H.B.J. Pipeline Project, B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Farukhabad	Chhibramau	Talgram	Chiasar	549	0-0-52	

[No. O-14016/147/85-GP]

का. आ. 1769.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यत: प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अत: अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020-यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुपूरक वाद अनुसूची

एच० बी० जे० गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
रायबरेली	महराजगंज	बछरावां	बछरावां	4542	0 19 4	

[सं० O-14016/238/84-जी पी]

S.O. 1769.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira—Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas, it appears that for the puropse of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd., H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot no.	Area in acres	Remarks
Rai-bareily	Maharajganj	Bachhrawa	Bachhrawa	5442	0-19-4	

[No. O-416/238/84-GP]

का. आ. 1770.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यत: प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अत: अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ 226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुपूरक वाद अनुसूची

एच० बी० जे० गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
फर्रुखाबाद	छिबरामऊ	तालग्राम	मुसीनगर	510	0 0 2	

[सं० O-14061/110/85—जी पी]

S.O. 1770.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira—Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd., H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project.

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Farukhabad	Chibramau	Salgram	Thusi nagar	510	0-0-2	

[No. O-14016/10/85-GP]

का. आ. 1771:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी 58/बी, अलीगंज, लखनऊ 226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

एच० बी० जे० गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
बरेली	आंवला	आंवला	दरका	510	0 1 0	
				512	1 2 16	
				326	0 1 10	
				328	0 3 0	

[सं० O-14016/288/85-जी पी]

S.O. 1771.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira—Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J. Pipeline Project, B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remarks
Bareily	Awala	Awala	Dera	510	0-1-0	
				512	1-2-16	
				326	0-1-10	
				328	0-3-0	

[No. O-14016/288/85-GP]

का. आ. 1772:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा बरेली जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच० बी० जे० गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
राय बरेली	महराजगंज	बछरावां	मलपुर	199 415	0 0 2 0 10 0	

[सं० O-14016/240/84-जी पी]

S.O. 1772.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira—Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Gas Authority of India Ltd., H.B.J. Pipeline Project, B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P ;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Rai-bareily	Mahraj-ganj	Bachrawa	Malpur	199 415	0-0-2 0-10-0	

[No. O-14016/240/84-GP]

एस. आ. 1773:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच० बी० जे० गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
उन्नाव	उन्नाव	हसनगंज	मनोहरपुर	519	0 0 10	

[सं० O-14016/55/84—जी पी]

S.O. 1773.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B 58|B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No	Area in acres	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Unnaw	Unnaw	Hadha	Manohar-pur.	519	0-0-10	

[No. O-14016/55/84-GP]

का. आ. 1774:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच० बी० ज० गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
उन्नाव	पुरवा	पुरवा	सेमरीमऊ	2010	0 0 5	

[सं० O-14016/62/84—जी पी]

S.O. 1774.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58|B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Unnao	Purwa	Purwa	Semry mau	280	0-0-5	

[No. O-14016/62/84-G.P.]

का. आ. 1775:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों

को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुपूरक वाद अनुसूची

एच० बी० जे० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा संख्या	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
कानपुर देहात	अकबरपुर	अकबरपुर	किशरवल	207	0 2 10	
				487	0 0 15	
				1244	0 1 0	

[सं० O-14016/347/84-जी पी]

S.O. 1775.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020 (U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remarks
Kanpur dehat	Akbar pur	Akbar pur	Kishar wal	207	0-2-10	
				407	0-0-15	
				1244	0-1-0	

[No. O-14016/347/84-GP]

का०आ० 1776:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि० बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू०पी० को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुपूरक वाद अनुसूची

एच० बी० जे० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा स०	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
रायबरेली	महराजगंज	बछरावाँ	सुलेही	1631	0 1 2	
				2234	0 0 5	

[सं० O-14016/164/84-जी पी]

S.O. 1776.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (SCHEDULE)

H.B.J. Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot no.	Area in acres	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Rai Barely	Mahraj, ganj	Bachrawa	thulady	1631 2234	0-1-2 0-0-5	

[No. O-14016/164/84-GP

का०आ० 1777.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि० द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतदद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि०बी०-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुपूरक भाव अनुसूची

एच० बी० जे० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3		5	6	7
रायबरेली	महराज-गंज	सेमरौता	समसपुर हलौर	1425	0 3 5	

[सं० O-14016/163/84—जी पी]

S.O. 1777.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Alganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (SCHEDULE)

H.B.J. Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Rai Barely	Maharaj ganj	Samrata	samspur halar	1425	0-3-5	5

[No.O14016/163/84-GP]

का.आ. 1778.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद-द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज लखनऊ-226020 यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुपूरक वाद अनुसूची

एच० बी० के० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
उन्नाव	उन्नाव	हड़हा	लोहचा	159	0 5 0	

[सं० O-14016/235/84-जी पी]

S.O. 1778.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notication, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (SCHEDULE)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot no.	Area in acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Unnao	Unnao	Hadha	Lohcha	159	0-5-0	

[No. O-14016/235/84-GP]

का०आ० 1779:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा बरेली जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि० द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि० बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू०पी० को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुपूरक वाद अनुसूची

एच० बी० जे० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल	विवरण
कानपुर देहात	अकबर पुर	अकबर पुर	हसना पुर	391	0 19 0	
				568	0 6 0	

[सं० O-14016/191/84-जी पी]

S.O. 1779.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project, B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020 U.P.;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (SCHEDULE)

H.B.J. Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Kanpur dehat	Akbar pur	Akbar pur	Hasna pur	391	0-19-0	
				568	0-6-0	

[No. O-14016/191/84-GP]

का०आ० 1780.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा–बरेली–जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि० द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि० बी/58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू०पी० को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुपूरक वाद अनुसूची

एच० बी० जे० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
बरली	आंवला	आंवला	बाकरगंज	172	1 0 0	

[सं० O–14016/441/85–जी पी]

S.O. 1780.—Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notificaiton, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in pe on or by legal practitioner.

Supplementary Case (SCHEDULE)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot no.	Area in acres	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Bareily	Awala	Awala	Baker-ganj	172	1–0–0	

[No. O-14016/441/85-GP]

का०आ० 1781.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा–बरेली–जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि० द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि० बी/58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू०पी० को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुपूरक वाद अनुसूची

एच.बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
कानपुर देहात	अकबर पुर	अकबर पुर	अमन्दा	392/487	0-0-13	

[सं. O-14016/194/84-जी पी]

S.O. 1781.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may; within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd, H. B. J. Pipeline Project B-58|B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remarks
Kanpur dehat	Akbar-pur	Akbar-pur	Asanda	382/487	0-0-13	

[No. O-14016/194/84-GP]

का. आ. 1782 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा–बरेली–जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज लखनऊ 226 020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुपूरक विवाद अनुसूची

एच.बी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा स.	क्षेत्रफल	विवरण
उन्नाव	पुरवा	मोराबा	रसूलपुर	126	0-0-5	

[सं. O-14016/301/84-जी पी]

S.O. 1782.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may; within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd, H. B. J. Pipeline Project B-58|B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remarks
Unnao	Purwa	Mouraula	Rasulpur	126	0-0-5	

[No. O-14016/301/84-GP]

का० आ० सं० 1783:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि० द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि० बी-58/बी, अलीगंज लखनऊ–226020 यू० पी० को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच.बी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
कानपुर देहात	अकबर पुर	अकबर पुर	विसायक पुर	1188	0 –1 –0	
				1964	0 –3 –0	
				1610	0– 2 –0	

[सं. O–14016/349/84-जी पी]

S.O. 1783.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58|B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot no.	Area in acres	Remarks
Kanpur dehat	Akbar-pur	Akbar-pur	Besaick pur	1188	0–1–0	
				1964	0–3–0	
				1610	0–2–0	

[No. O-14016/349/84-GP]

का० आ० 1784 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि० द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी भारतीय गैस प्राधिकरण लि० बी–58/बी, अलीगंज लखनऊ–226 020 यू० पी० को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच.बी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
उन्नाव	पुरवा	मोरावां	जम्भूरपुर	371	0–6–5	

[सं. O–14016/300/84-जी पी]

S.O. 1784.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58|B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementry Case (Schedule)
H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot no.	Area in acres	Remarks
Unnao	Purwa	Movar-win	Jumbur pur	371	0-6-5	

[No. O-14016/300/84-GP]

का० आ० —1785. यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि० द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी भारतीय गैस प्राधिकरण लि० बी-58/बी, अलीगंज लखनऊ-226 020 यू० पी० को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनपूरक वाद अनुसूची

एच.बी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
राय बरेली	महराज-गंज	हरदोई	तोली	1017	0-0-2	
				588	0-0-3	
				888	0-0-2	
				826	0-5-0	

[सं. O-14016/158/84-जी पी]

S.O. 1785.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user herein;

Provided that any person interested in the said land may; within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58|B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementry Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot no.	Area in acres	Remarks
Rai Bareily	Mahraj ganj	Hardoi	Tauly	1017	0-0-2	
				588	0-0-3	
				888	0-0-2	
				826	0-5-0	

[No. O-14016/158/84-GP]

का० आ० 1786.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि० द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी भारतीय गैस प्राधिकरण लि० बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226 020 यू० पी० को इस अधिसूचना की तारीख के 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच.बी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं	क्षेत्रफल	विवरण
कानपुर देहात	डेरापुर	डेरापुर	जिगनिस	121	0-14-0	

[सं. O-14016/403/84-जी पी)]

S.O. 1786.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may; within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58|B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementry Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot no.	Area in acres	Remark
Kanpur Dehat	Dera-pur	Dera-pur	Jignish	121	0-14-0	

[No. O-14016/403/84-GP]

का० आ० 1787.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि० द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी भारतीय गैस प्राधिकरण लि० बी-58/बी अलीगंज लखनऊ-226020 यू० पी० को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच.बी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
बरेली	आवला	आवला	इसलामा बाद	743	0-8-0	

[सं. O-14016/445/85-जी पी]

S.O. 1787.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (SCHEDULE)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot no.	Area in acres	Remark
Barely	Awala	Awala	Islama-bad	743	0-8-0	

[No. O-14016/345/85-GP]

का.आ. 1788.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच.बी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
शाहजहांपुर	सदर	कांट	अख्तयार नगर उर्फ इकनोरा	2446	0—0—1	

[सं. O-14016/399/85-जी पी]

S.O. 1788.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person Interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplimentry Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot no.	Area in acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Shah-jhanapur	Sadar	Kant	Aktyr Nagar urf Eknora	2446	0-0-1	

[No. O-14016/399/85-GP]

का.आ. 1789.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58 बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच.बी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
उन्नाव	पुरवा	मोराबा	हिलोली	3191	4—0—0	

[सं. O-14016/44/85-जी पी

S.O. 1789.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplimentry Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tehsil	pargana	village	plot no.	Area in Acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	
unnao	purwa	morwa	heloli	3191	4-0-0	

[No. O-14016/44/85-GP]

का.आ. 1790 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा–बरेली–जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्-द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक वाद अनुसूची

एच.बी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
बदायूं	बिसौली	बिसौली	बेहटा कुरा	263	0–1–0	

[सं. O-14016/262/85-जी पी]

S.O. 1790.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hazira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplimentry Case (Schedule)

H. B. J. Gas Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acers	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Badaon	Besoully	Besoully	Behtakura	263	0-1-0	

[No. O—14016/262/85-GP]

का.आ. 1791 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा–बरेली–जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्-द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच.बी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
रायबरेली	महराज गंज	बछरावां	मैनाहार	598	0—1—10	
			कटरा	152	0—5—0	
				531	1—0—0	

14016/319/84-जी पी]

S.O. 1791.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd, H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (SCHEDULE)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Rai-Barrely	Mahraj Ganj	Bacharaula	Mainahar	598	0-1-10	
			Katera	152	0-5-0	
				531	1-0-0	

[No. O—14016/319/84-GP]

का.आ. 1792:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्-द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच.बी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
शाहजहांपुर	सदर	कांट	बरुआखुर्द	93	0 0 5	

[सं. O-14016/379/85-जी पी]

S.O. 1792.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J. Pipeline Project, B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020 U.P.;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (SCHEDULE)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Agea in acers	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Shahjahanpur	Sadar	Kant	Baruwa Khurd	93	0-0-5	

[No. O—14016/379/85-GP]

का.आ. 1793:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त

शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्-द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
उन्नाव	उन्नाव	हडहा	शिवपुर	1560	0—5—10	
				914	0—1—0	

[सं. O-14016/197/84-जी. पी.]

S.O. 1793.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Barcily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acers	Re-mark
Unnao	Unnao	Hadha	Shive-pur	1560	0-5-10	
				914	0-1-0	

[No. O—14016/197/84-GP]

का. आ. 1794 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद् द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप समक्ष प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी.-58/बी, अलीगंज लखनऊ-226 020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	
बरेली	आंवला	आंवला	कन्थरी जाफरपुर	313	0—0—5	

[सं. O-14016/368/85-जी. पी]

S.O. 1794.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)

H B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acers	Re-mark
Barrely	Aulala	Aulala	Kanthery Jaffarpur	313	0-0-05	

[No. O—14016,368/85-G

का. आ. 1795:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा–बरेली–जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी.-58/बी. अलीगंज लखनऊ-226 020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप में हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
रायबरेली	महराज गंज	बछरावां	जलालपुर	992	0—2—0	

[सं. O–14016/95/84–ओ. एन. जी. डी. 4]

S.O. 1795.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acers	Remark
Rai-Barre	Maharaj Ganj	Bachraula	Talalpur	992	0-2-0	

No. O—14016 /95/84-ONGD-4]

का. आ. 1796 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक हित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा–बरेली–जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदु पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद् द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप समक्ष प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी.-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उस की सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी को मार्फत।

अनुपूरक बाद अनुसूची

एच. बी. जे. गैस. पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
रायबरेली	महराज गंज	सेमरौता	भैंव्यापुर	76	0—1—8	

[सं. O–14016/95/84–ओ. एन. जी. डी.-4]

S.O. 1796.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person

Supplementary Case (Schedule)
H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in arers	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Rai Burrely	Mah raj nj	Sam routa	Bhaiya Pur	76	0-1-8	

[No. O—14016/95/84-ONG-D-4]

का. आ. 1797 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद् द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी. 58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226 020 यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुपूरक बाद अनुसूची
एच. बी. जे गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
रायबरेली	महाराज गंज	बछरावा	रसूलपुर	703	0—0—6	
				663	0—0—5	

[सं. O—14016/95/84/ओ. एन. जी.-डी.-4]

S.O. 1797.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Allganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)
H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in aceas	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Rai- Barrely	Maharaj Ganj	Bachha- rawa	Rasul- pur	703	0-0-6	
				663	0-0-5	

[No. O—14016/95/-ONG-D-4]

का. आ. 1798 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद् द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी.-58/बी, अलीगंज, लखनऊ 226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुपूरक बाद अनुसूची
एच. बी जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
रायबरेली	महाराज गंज	बछरावा	सैदपुर बेहटा	72	0—2—0	

[सं. O—14016/95/84—ओ. एन. जी. डी.-4]

S.O. 1798.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd., H.B.J. Pipeline Project, B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)
H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Rai-Barrely	Mahraj Ganj	Bachh-raua	Saidpur Bahta	72	0–2–0	

[No. O-14016/95/84-ONG-D-4]

का.आ. 1799.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा–बरेली–जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 क, 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी.-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226 020 यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विविध व्यवसायी की मार्फत।

अनुपूरक वाद अनुसूची
एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
रायबरेली	महराज गंज	समरौती	मांझगाव	553 543	0—5—0 0—3—0	

[सं. O–14016/95/84–ओ. एन. जी.-डी.–4]
एम. एस. श्रीनिवासन, निदेशक (एन. जी.)

S.O. 1799.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd., H. B. J. Pipeline Project, B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)
H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acers	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Rai-Barrely	Mahraj Ganj	Samr-ta	Majh-gavan	553 543	0–5–0 0-3-0	

[No. O-14016/95/84-ONG-D.4]
M. S. SRINIVASAN, Director (N.G.)

संचार मंत्रालय

(दूर संचार विभाग)

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1986

का.आ. 1800.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार महानिदेशक, दूरसंचार विभाग ने नूलपुषा तथा अम्बलवयाल टेलीफोन केन्द्रों, केरला में दिनांक 28-4-1986 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5–32/86 पी एच बी]

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(Department of Telecommunications)

New Delhi, the 15th April, 1986

S.O. 1800.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960 the Director General, Department of Telecommunications, hereby specifies 28-4-1986 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Noolpuzha and Ambalavayal Telephone Exchanges, Kerala Telecom. Circle.

[No. 5-32/86-PHB]

का.आ. 1801.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किये गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड 111 के पैरा (क) के अनुसार महानिदेशक, दूर संचार विभाग ने दूरैयूर, कायलपटनम, कुरुकुपाली तथा मंडपम टेलीफोन केन्द्रों, तमिलनाडु, में दिनांक 2-5-1986 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5–25/86-पी एच बी]

S.O. 1801.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Department of Telecommunications, hereby specifies 2-5-1986 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Duraiyur, Kayalpatnam, Kurukkuchalai and Mandapam Telephone Exchanges, Tamil Nadu Circle.

[No. 5-25/86-PHB]

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1986

का.आ. 1802.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार महानिदेशक, दूरसंचार विभाग ने हरीज टेलीफोन केन्द्र, गुजरात में दिनांक 30-4-1986 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5-21/86 - पी एच बी]

New Delhi, the 23rd April, 1986

S.O. 1802.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Department of Telecommunications, hereby specifies 30-4-1986 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Harij Telephone Exchanges, Gujrat Circle.

[No. 5-21/86-PHB]

का.आ. 1803.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार महानिदेशक, दूरसंचार विभाग ने पन्तीरंकाव, बल्लकम्ब्रम, पल्लिक्कुन्नु, तथा ताटिरोड टेलीफोन केन्द्रों, केरला में दिनांक 30-4-1986 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5/32/86-पी एच बी]

के. पी. शर्मा, सहायक महानिदेशक (पी एच बी)

New Delhi, the 23rd April, 1986

S.O. 1803.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March 1960, the Director General, Department of Telecommunications, hereby specifies 30-4-1986 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Pantheerankavu, Valluvambram, Pallikkunnu & Thariode Telephone Exchanges, Kerala Circle.

[No. 5-32/86-PHB]

K. P. SHARMA, Assistant Director General (PHB).

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 7 अप्रैल, 1986

शुद्धिपत्र

का.आ. 1804.—इस मंत्रालय की तारीख 4 अप्रैल, 1986 की अधिसूचना में डेस्क अधिकारी के हस्ताक्षरों के नीचे वाली संख्या को "एल-45011/7/83-डेस्क-4 (ए)" के बदले "एल-45011/17/83-डेस्क-4 (ए)" पढ़ें।

[एल-45011/17/83-डेस्क-4 (ए)]

के. जे. दैवप्रसाद, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 7th April, 1986

CORRIGENDUM

S.O. 1804.—In this Ministry's Notification dated 2nd April, 1986, the No. 'L-45011/7/83-D.IV (A)' appearing below the signatures of the Desk Officer may be read as 'L-45011/17/83-D.IV(A)'.

[No. L-45011/17/83-D.IV (A)]

K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer

नई दिल्ली, 9 अप्रैल 1986

का.आ. 1805.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार ने भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, बंगलौर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1 अप्रैल 1986 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 9th April, 1986

S.O. 1805.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Life Insurance Corporation of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 1st April, 1986.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL IN KARNATAKA, BANGALORE

Dated this the 25th day of March, 1986

PRESENT :

Sri R. Ramakrishna, B.A., B.L., Presiding Officer.
Central Reference No. 6/86

I Party

The General Secretary,
Insurance Workers' Organisation,
BMS Office, Tenkapet,
Udupi-576101.

Vs.

II Party

The Divisional Manager,
Life Insurance Corporation
of India, Divisional Office,
Udupi-576101.

APPEARANCES :

For the I Party—Sri B. Thimmappa, workman.

For the II Party—Sri N. K. Venugopal, Divisional Manager, LIC of India, Divisional Office, Udupi.

REFERENCE :

(Government Order No. L-17011/10/82-D.IV (A) dated 21-2-1986)

AWARD

The Central Government after declining to refer this dispute for adjudication on 1-3-1983 has considered it desirable to refer the dispute for adjudication as per the direction given by the Hon'ble High Court of Karnataka at Bangalore in writ petition No. 14556/83 to pass an award within a period of three months on the schedule mentioned herein below :

SCHEDULE

"Whether the action of the management of the Life Insurance Corporation of India, Udupi Division in not confirming Shri B. Timmappa as regular stenographer with effect from 24-10-1974 and reverting him to the original cadre of typists w.e.f. 15-12-1978 and not paying him the difference of the salary due to him for the period he worked in the category of the Stenographer is justified ? If not, to what relief is the workman concerned entitled ?

2. Consequent to this reference the notices are issued to both the parties to appear and file their claim statements. Today both the parties have appeared and filed their written statement and submitted that an award may be passed in accordance with the written statement filed by them. The gist of the statement is as follows.

Petition No. 14556/83. The II Party had offered to the workman an amount of Rs. 5,000 towards the full and final satisfaction of all claims. In the dispute and this offer was accepted by the I Party vide their letter dated 20-2-1986. Hence both parties contended that there is no further dispute for adjudication between them and this Tribunal be pleased to give an award in terms of the aforesaid agreement.

4. The representative for the I Party and the workman B. Thimmappa is present on behalf of the I Party and a representative on behalf of the II Party have submitted that they are signatories to these statements and the contents are correct. It is also brought to the notice of this Tribunal that Mr. B. Thimmappa, the concerned workman of the I Party is now promoted as Higher Grade Assistant and transferred to Kadur.

5. On a perusal of the nature of the dispute referred to this Tribunal this compromise is solved the matter in dispute and I am also satisfied that the offer made and accepted is reasonable. Hence I make the following award.

AWARD

In view of the payment of Rs. 5,000 offered and accepted, this dispute is closed and there is no order as to costs.

(Dictated to the Stenographer, transcribed and typed by her and corrected by me).

R. RAMAKRISHNA, Presiding Officer

[No. L-17011/10/82-D.IV (A)]

नई दिल्ली, 16 अप्रैल, 1986

का.आ. 1806—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, ग्रिंडलेज बैंक पी.एल.सी. के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार राष्ट्रीय औद्योगिक अधिकरण, बम्बई, के पंचाट संशोधन को प्रकाशित करती है

New Delhi, the 16th April, 1986

S.O. 1806.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award|corrigendum of the National Industrial Tribunal, Bombay as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the Grindlays Bank p.l.c. and their workmen.

BEFORE THE NATIONAL, INDUSTRIAL TRIBUNAL AT BOMBAY

PRESENT :

Dr. Justice R. D. Tulpule Esqr. Presiding Officer.
Misc. Application No. NTB-1 of 1985

PARTIES :

Employers in relation to M|s. Grindlays Bank p.l.c.

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

For the Management.—Mr. Krishna Murthy, Industrial Relations Manager.

For the Federation.—Mr. Subramanyam, General Secretary.

For the Association.—Mr. Gadkari, Advocate.

INDUSTRY : Banking STATE : Maharashtra

Bombay, the 28th January, 1986

AWARD|CORRIGENDUM

In the Award delivered in the above reference No. NTB-2 of 1980 on 5-11-1985. This Misc. application filed by All India Grindlays Bank Employees Federation in the matter of correction of clerical mistake or error arising from accidental slip.

2. Heard parties. The Association has no objection to the correction being issued.

3. I find from the terms of reference that no question of increase in the interest rate was referred. The only question referred was of increase in quantum. The variation made in the rate of interest therefore being in advertant and by a mistake is deleted.

4. So far as lunch allowance is concerned at page 88 and at the conclusion of section on additional allowance I have said that I would follow the chartered Bank patterm. The additional allowance has been granted from 1981 i.e. 1-4-1981. The same is to be applied to lunch allowance.

5. Hence a Corrigendum will issue directing the lunch allowance from the same date as additional allowance i.e. 1-4-1981 and deleting the reference to interest in housing loan portion.

R. D. TULPULE, Presiding Officer

[No. L-12025|65|79-D.II(A)|D.IV(A)]

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 1986

का. आ. 1807 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार. बैंक आफ इंडिया के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों की बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 4-4-86 को प्राप्त हुआ था ।

New Delhi, the 18th April, 1986

S.O. 1807.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bank of India, Kanpur and their workmen, which was received by the Central Government on the 4th April, 1986.

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT, KANPUR

Reference No. L-12012/139/84-D.II(A) dated 6-12-84
L-12012/137/84-D.II(A) dated 6-12-84.

Industrial Disputes Nos. 219|84 and 218|84
In the matter of dispute

BETWEEN

Shri Lav Kumar son of Sri Sriram 19|45 Patkapur, Kanpur (Industrial Dispute No. 139/84)

AND

The Regional Manager, Bank of India, Birhana Road, Kanpur.

Shri Sushil Kumar Misra (ID No. 218|84)|61|45 Harbansmohal, Kanpur.

AND

The Regional Manager, Bank of India, Birhana Road, Thaper House, Kanpur.

APPEARANCE :

Shri V. N. Sekhari—for the workman.

Shri A. S. Saxena—for the management.

AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its notification No. L-12012|139|84-D.II(A) dt. 6-12-84 in I.D. No. 219|84, has referred the following dispute for adjudication to this tribunal :

Whether the action of the bank management of Bank of India, Kanpur in terminating the services of Shri Lov Kumar sub staff while retaining his junior in regular service and not considering him for further employment when recruitmenting fresh hands is justified ? If not, to what relief is the workman concerned entitled ?

2. The Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12012/137/84-D.II (A) dated 6-12-84 in I. D. No. 218/84, has again referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

Whether the action of the management of Bank of India, Kanpur in terminating the services of Shri Sushil Kumar Misra sub-staff from March 1982, while providing regular employment to his juniors and not considering him for further employment when subsequently recruiting fresh hands is justified ? If not, to what relief is the workman concerned entitled ?

3. As common question of law and facts arises in above cases hence they are consolidated together and I.D. No. 219|84 was made the leading case as all evidence has been recorded in the case.

4. Now coming to the facts of case (of Sushil Kumar (ID No. 218|84, is that the workman was employed as peon by the management bank at its Kastoorba Marg branch and Kaushalpuri branch Kanpur and designated as temporary hand. He worked for 195 days from 15-5-81 to 13-3-82 i.e. for 103 days at Kastoorba Marg branch and 48 days at Kaushalpur branch total 151 days in 1981 and 44 days in 1982, at Kastoorba Marg branch raising total to 195 days.

5. The representative for the workman has taken all possible legal pleas ranging from Sastri Award, bipartite settlement, industrial dispute acts sections 25G and H and Indian Constitution's article 14, 16 and 43 but has not mentioned on what date in march the services of the workman Shri Sushil Kumar Misra was terminated and the prayer is that for reinstatement with full back wages.

6. The management in its written statement raised the preliminary pleas that espouser is not proper and that the workman employed as temporary workman to cope with the exigencies arising out of absence of permanent workman (sub staff). The management further admitted that besides leave vacancies the workman was also engaged as temporary workman for casual increase in work. The management has given details whereby the workman was employed for 140 days from May to December, 1981 with breaks and again in January, February and March 82 for 44 days raising the total to 184 days. That the employment of the workman was on day to day basis and as such there was no question of formal letter of apopintment of termination letter and further he was not entitled to any compensation or notice pay. The management has further averred that the name of the workman was in the badlee sepoy from which the workman was taken over temporary employment caused on account of absence of permanent sub staff.

7. On behalf of the management Shri G. C. Tewari officer-in-charge of the personnel department filed his affidavit evidence reiterating the stand of the management taken in written statement. It is further averred that the workman was called for interview on 27th April 82 for empenalling aim for the post of badlee sepoy in the bank but he did not qualify for the employment and he was not considered for regular employment as sub staff and others is namely Anil Kumar, Ashok Kumar, Ram Charan Satya Prakash, Ram Saran Pande and S. N. Verma qualified for empanelment and were considered for regular employment. He was again given an opportunity in February, 84 but he again could not qualify.

8. The case of the applicant Shri Lov Kumar of I.D. No. 219/84 is that he was employed as peon by management bank on its Meston Road branch Kanpur and designated as temporary hand. He worked for over 357 days during the period 17-7-80 to 23-8-83 when his services were terminated without any notice or notice pay. He was not given any appointment letter or termination letter. The workman took all possible pleas that the management violated the provisions of Sastri Award, bipartite settlement and article 14, 16 and 43 of the Indian Constitution and also section 25G and H of the Industrial Dispute Act. It is further averred that the petitioners name was duly selected from the list sponsored by the employment exchange after successful interview in terms of the procedure of the appointment of peon, seopys that the junior hands were made permanent and retained while petitioner was retrenched and service of Shri Anil Kumar, Ashok Kumar, Ram Charan, Ragoo Satya Prakash Ram Sukh and S. N. Misra and thus the workman was discriminated. It is prayed that the workman be reinstated with full back wages.

9. The management has taken the plea that the case has not been properly espoused. It is admitted that the workman Sri Lov Kumar was intermitently employed as temporary hand in sub staff cadre to meet the exigency arising out of absence of permanent sub staff, the number of days for which he was intermitently employed in various month. The management has admitted that besides 80, 81 and 82 where he worked for 368 days and 95 days respectively in 83, the workman worked for 77 days having worked for 6 days in August 83. It is admitted that Shri Lov Kumar workman was one of the temporary staff to cope with the requirements arising out of the permanent sub staff. It is admitted that in persuance of the instructions of the government to employee temporary hands as badlee sepoys, the requisition was made through employment exchange which list included the name of the workman Sri Lov Kumar. He was interviewed by selection committee but was not approved by that committee.

10. In this case also Sri G. C. Tewari gave his affidavit evidence on affidavit. He admitted that the workman besides temporary employment from 1980 to July, 1983 was lastly employed in August 1983 for six days. He has further stated that workman was called for interview on 27-4-82 for empenalment for the post of sepoy but he did not qualify for the empenalment whereas others namely Shri Anil Kumar and others were found qualified for empenalment and were considered for regular employment in the bank.

11. In this case as most of the relevant documents were in possession with the management. On the reuest of the management joint inspection was ordered instead of summoning all the records in court. In case of Shri Lov Kumar it was reported that the last date of his working in the alleged branch was 23-8-83 commencing from 17-7-80, and that in none of the years he completed 240 days in one span utmost he worked for 128 days in 1982, 101 days in 1983 and so on That in the meston road branch of the management the permanent strength of sepoys was two on which Suresh Chandra and Radhey Lal were working, in the year 1980 Radhey Lal was transferred to RMs Office and no permanent sepoy was appointed at his place and at that time workman was working there as temporary sepoy. A perusal of Lovkumar's working in the year 1980 shows that he worked for one day or two days in July or August, he in Sep. worked for 12 days in October, 4 days in November, for 17 days in December 3 days. Thus, it can not be said that he regularly worked in the vacancies so caused by the transfer of Radhey Lal. It was in July 81 that one Avodhya Prasad was transferred to meston road branch as sub-staff where is Lovkumar and others worked as temporary sepoys Lovkumar the senior most amongst them as others were appointed in July, August and Sentember 81. Subsequently in 82 Suresh Chandra was transferred to Regional Manager's office and one Sri Basudeo Prasad was brought as sub-staff and Lovkumar was kept as sub-staff on half pay for 43 days in February and March 82 when his junior hand Sri S. N. Verma was employed on full pay. Workman Lovkumar was continued as temporary in June 83 and July 83 when temporary hand S. N. Verma

was made regular from 27-7-83, thus in August 83 including Sri S. N. Verma was became four permanent sub staff and Lovkumar remained temporary. The name of Shri Lovkumar was not to be found after August, 1983. Out of temporary hands namely Ramsukh Pandey, Devi Charan, Bhupal Singh and Baijnath were made permanent.

12. It was further found that in addition to the permanent sepoys as many as 9 temporary sepoys were appointed including the workman and out of regular sub staff of 11 sepoys one Shri V. K. Dwevedi was transferred to Hardoi in July, 1981 and Sri K. B. Tripathi was transferred to R.Ms. office in 81 and on 8-12-81 Ram Kumar sepoy was transferred to Mainpur, in January 82 Parasnath Tewari was transferred to Kanpur branch but no regular sepoy was appointed or brought in by transfer in place of the above regular hands and the temporary hands were continued to work as temporary sepoy including workman for the period stated above till March 82, beside one Sri Batwa an terminated employees who was re-employed and posted at Kastoorba Marg from 12-3-83. In the joint inspection it was also found that ther were banks circular directing that the appointments beyond a total period of sixty days as casual should not be given to avoid any claim by such person for absorption on permanent basis on letter date. From the extract circular No. 83/16 dated 18-8-83 it was laid down that all the vacancies temporary or permanent part time or full time should be filled only from the list of candidates sponsored from the employment exchange. In the end it was found that employment exchange has sponsored the name of two worknent sepoys as many as 9 temporary sepoys were appointed included 18 names out of four were from the backward classes including the name of workman Lavkumar and in general candidate Sushil Kumar's name was there.

13. The management witness Shri G S. Tewari has deposed in cross examination that when sub-staff are appointed in the bank they are known as sepy cum hamal and the duties of permanent/regular sepoys are similar to the duties of temporary sepoys. He admits that meston road branch opened in 1977. He further states that for empanelment of badleee sepoys after interview on 27-5-82 those persons named in affidavit were selected. He further admits that the name of the persons was sponsored from the employment exchange. He admits that prior to 26th February, 1984. there was no written test for selection or appointment as sub-staff. He has further admitted that for casual engagement there was instructions from the zonal office not to take or reemploy them in case of subsequent need. In the end he admits that new branches have been opened after 26-2-82, 13-2-82 and 23-8-82 and that no notice, notice pay or termination letter or retrenchment compensation was given to the workman before the termination.

14. Both the workmen filed their affidavit evidence but only Lovkumar appeared in the witness box. In cross examination he has deposed that he started work in the management's meston road branch from 8-12-77 when the branch was opened. He gave another application for appointment in the management bank photo copy of which is exhibit W-1. He admits that he has nothing in writing to show that he was appointed in 77 or that he has demanded any appointment letter. He admits that he was employed in the bank for serving water to the customers in the bank and other work also for example going to post office for distributing dak and taking out and keeping ledger etc He further stated that his name was sponsored in 1982 and he was interviewed on 26-4-82. he states that he was verbally told that he was passed and posted at meston road branch but was not given any appointment letter. He further admits that he was interviewed on 26-4-82. and again there was a written test for the peons on 26-2-84. he admits that he was called for that and he did appear in the test but did not get any reply. In the end that this test was for those whose names was sponsored from the employment exchange and whose work was for above and below 240 days.

15 The question of espouser should have been raised at the earliest opportunity before the ALC since that was not done the question of espouser can not be considered at this stage as the government in its wisdom considering that the espouser was proper referred the dispute between the workman and management for adjudication.

16 Moreover, it is the common case that the workman were in employment of the management bank may be in any capacity and were terminated or not allowed to work after a particular date, which dispute could be referred under section 2(a) of the Act.

17. From the joint inspection it appears that the workman Lovkumar worked in all for 362 days in a span of about 3 years from 1-7-80 to 23-8-82 and that too with breaks and similarly the workman Sushil Kumar worked from 15-5-81 to 31-3-82 with breaks, it is for the post of badli sub sepoys and in the interview both the workmen did not qualify for being considered for regular employment of the post of sub-staff and a penal was formed from qualified candidates for which badlee sepoys and candidates for regular employment were to be considered. The management witness has reiterated that even after the two workman were ceased to work after 23-8-83 and 31-3-82 respectively they were given further opportunity for employment for the post of badlee sub sepoys in the bank and to appear in the written test on 26-2-84. According to the witness both of them appeared but did not qualify the test whereas the workman while admitting regarding written test and be being called for the test states that he did not appear in the test. Thus there does not appear to be any victimization or unfair labour practice having practiced on the two workmen as alleged as it was just and proper that after proper interview those persons considered suitable were empanelled in view of the directions received from the management as per circular dated 3-5-81 filed by the management on 2-12-85. It is argued that in these circumstances it can not be said that the workmen was not given opportunity if he was ceased to work in 82 or 83 and provision of section 25-H are contravened in this case. As observed earlier it is admitted that no notice pay appointment letter or termination letter was given to the workman, as regards retrenchment compensation under section 25 of the Act it has not been established that the two workmen at any point of time performed 240 days of work in one year. Admittedly there is no document that the workman was in leave vacancy and even if the work that was taken from the two workmen was of a permanent nature that will not make him a permanent workman and in all eventuality he will remain temporary workman. From the joint inspection report it emerges that Shri Lovkumar was kept on behalf pay for 43 days in February and March 82 whereas junior hand Sri S. N. Verma was kept on full pay. This in not the point in the reference order moreover, the termination of Lovkumar is said to have been effected from 23-8-83. and not from 1982. From paper No. 6 as per list dated 2-12-85 filed of the management written to the zonal manager to the R. M. Kanpur it was probably that Sri S. N. Verma was empanalled badlee sepoy was probably on this account that his name appeared for the first time at serial No. 6 after Lovkumar in 1982 and on 27-7-83 he was made sepoy on regular and probably it was in this count that he was. duly empanalled. It appears that S. N. Verma though Junior to Lovkumar in the year 82 as is evident from the joint inspection note was considered on regular basis from 22-7-83 as he was come on penal and as he was some of the one of retired staff mentioned in para 8 of the letter dated 30th August 82. Thus in view of the discussion above only this much transpires that on 23-8-83 when the workman Lovkumar was ceased to work he was not given notice pay.

18. Now coming to the case of Sushil Kumar he worked in the management from 15-5-81 to 31-3-82 for 184 days it is not in evidence in whose leave vacancy he worked and the work he performed was a regular nature of work and thus he was nothing but a temporary employee. It appears that the name was dropped and he was not considered for employment as fresh hand was confirmed in 1982 from which temporary and badlee employments were given. In view of the empenalment and appointment of badlee sepoy from that list in view of the direction of the zonal office it cannot be said that junior hands were appointed after his termination as that was done after allowing the workman an opportunity to appear in interview and his name had to be dropped and not included in penal as he could not qualify the test. It is not disputed as in earlier case that no seniority list for temporary employees was maintained and no appointment letter or termination letter was given to the workman and neither any service book maintained for temporary employees. The workman was again given a change for empenalment to be considered even for regular employment also after empenalment in February 1984.

19 Thus in view of the matter the workman was not entitled for reemployment on the basis of 25-H as the management had done all that in a bonafide way giving full opportunity to the workmen also.

20. The only mistake which the management did in the two cases was not to comply with the provision of para 522(4) of the Sastri Award i.e. giving 14 days notice or notice pay.

21. The result is that the termination of the two workmen on that count would be render illegal and on that count it should be deemed that they would be continuing in service thus in the case of Lov Kumar workman I accordingly hold that the action of the management bank in terminating the service of Shri Lovkumar sub-staff is illegal for the reasons given above. It is not illegal for retaining his junior in regular service and not considering him for reemployment while recruiting fresh hands. The result is that he will be reinstated with full back wages only for the reasons that the termination notice or was not given. The award is given accordingly in industrial case No. 219/1984.

22. Similarly in the case of Shri Sushil Kumar Misra of I. D. No. 219/84 I hold that the action of the bank of India Kanpur in terminating the services of Shri S. K. Misra from March 82 is illegal for not giving him notice or notice pay at the time of termination as required under para 522(4) of the Sastri Award. It will not be deemed illegal for providing employment to his juniors and not considering him for reemployment when subsequently appointing fresh hands as that was done after giving both of them opportunity of appearing in interview and test in which they did not qualify and hence not empenalled and I accordingly give my award.

23. Thus the two workmen will be reinstated in service with full back wages only for the reasons of want of notice and notice pay. Let a copy of this award be kept on the record of industrial dispute No. 219/1984 Sushil Kumar Vs. Bank of India.

24. I therefore, give my award in the above two cases accordingly.

Let six copies of this award be sent to the Government for its publication.

Dated : 31-3-1986.

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer
[No. L-12012/139/84-D.II (A)]
K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 1986

का.आ. 1808.—सिनेमा कर्मकार और सिनेमा थियेटर कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1981 (1981 का 50) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार नीचे दी गई सारणी के कालम (1) में उल्लिखित महाराष्ट्र सरकार के अधिकारियों को उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में संगत प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट क्षेत्र के लिए उक्त अधिनियम के उद्देश्य से सक्षम अधिकारी नियुक्त करती है :

सारणी

अधिकारी का पदनाम	क्षेत्र
(1)	(2)
1. उप श्रमायुक्त (आई. आर.) श्रमायुक्त का कार्यालय, बम्बई	समस्त महाराष्ट्र राज्य
2. सहायक श्रमायुक्त, बम्बई डिवीजन	बम्बई डिवीजन
3. उप श्रमायुक्त जिला थाणे	जिला थाणे
4. उप श्रमायुक्त, पुणे डिवीजन	पुणे डिवीजन
5. सहायक श्रमायुक्त, नागपुर डिवीजन	नागपुर डिवीजन
6. सहायक श्रमायुक्त ,औरंगाबाद डिवीजन।	औरंगाबाद डिवीजन

[सं. एस-6101 /1/86-डी 1(ए)(i)]

New Delhi, the 11th April, 1986

S.O.1808—In pursuance of clause (d) of section 2 of the Cine-workers and Cinema Theatre Workers (Regulation of Employment) Act, 1981 (50 of 1981) the Central Government hereby authorises the officers of the Government of Maharathtra mentioned in column (1) of the Table below, to perform the function of the competent authority under the said act for the area specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table:

TABLE

Designation of the Officer	Area
(1)	(2)
1. Deputy Commissier of Labour (IR), Office of the Commissioner of Labour, Bombay.	Whole of the state of Maharashtra
2. Atstt. Commissioner of Labour, Bombay Division.	Bombay Division.
3. Dy. Commissioner of Labour, Thane District.	Thane District
4. Dy. Commissioner of Labour, Pune Divistion.	Pune Division
5. Asstt. Commissioner of Labour, Nagpur Division.	Nagpur Division
6. Asstt. Commissioner of Labour, Aurangabad Division.	Aurangabad Division.

[No. S-61011/1/86-D.I(A)(i)]

का.आ. 1809.—सिनेमा कर्मकार और सिनेमा थियेटर कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1981 (1981 का 50) की धारा 2 के खंड (घ) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित सारणी के कालम (i) में उल्लिखित महाराष्ट्र सरकार के अधिकारियों को उक्त सारणी के कालम (2) में की गई संगत प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट क्षेत्र के लिए उक्त अधिनियम के अधीन संराधन अधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है :—

सारणी

अधिकारी का पदनाम	क्षेत्र
1	2
1. श्रमायुक्त महाराष्ट्र सरकार, बम्बई।	समस्त महाराष्ट्र राज्य
2. अपर श्रमायुक्त, बम्बई डिवीजन	बम्बई डिवीजन
3. सहायक श्रमायुक्त थाणे	जिला थाणे
4. सहायक श्रमायुक्त, कल्याण	थाणे जिला
5. सहायक श्रमायुक्त रायगढ़	रायगढ़ रत्ना गिरी और सिन्धु दुर्ग जिले
6. सहायक श्रमायुक्त, नासिक	नासिक जिला

1	2
7. सहायक श्रमायुक्त, जलगांव	जलगांव तथा धुले जिले
8. अपर श्रमायुक्त, पूणे डिवीजन	पूणे डिवीजन
9. सहायक श्रमायुक्त, पूणे डिवीजन	पूणे डिवीजन
10. सहायक श्रमायुक्त, पूणे	पूणे जिला
11. सहायक श्रमायुक्त, अहमदनगर	अहमदनगर जिला
12. सहायक श्रमायुक्त, सांगली	सांगली तथा सतारा जिले
13. सहायक श्रमायुक्त, शोलापुर	शोलापुर जिला
14. सहायक श्रमायुक्त, कोल्हापुर	कोल्हापुर जिला
15. अप श्रमायुक्त, नागपुर डिवीजन	नागपुर डिवीजन
16. सहायक श्रमायुक्त, गोदिया	भान्द्रा जिला
17. सहायक श्रमायुक्त, भान्द्रा	भान्द्रा जिला
18. सहायक श्रमायुक्त, अमरावती	अमरावती तथा येओत्मल जिले
19. सहायक श्रमायुक्त, अकोला	अकोला तथा बुल्धाना जिले
20. सहायक श्रमायुक्त, चन्द्रपुर	चन्द्रपुर तथा गदचिरोली जिले
21. उप श्रमायुक्त, औरंगाबाद, डिवीजन	औरंगाबाद डिवीजन
22. सहायक श्रमायुक्त, नान्देद	नान्देद, बीद, लातूर तथा ओसमानाबाद जिले

[सं. एस-61011/1/86-डी 1(ए)(ii)]
ए.वी.एस. शर्मा, डैस्क अधिकारी

S.O.—1809. In exercise of the powers conferred by section 4 of the Cine Workers and Cinema Theatre Workers (Regulation of Employment) Act, 1981 (50 of 1981), the Central Government hereby appoints the officers of the Government of Maharashtra mentioned in column (1) of the Table below, to be conciliation officers for the purposes of the said Act, for the area specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table :—

TABLE

Dosignation of the Officer	Area
(1)	(2)
1. Commissioner of Labour, Maharashtra State, Bombay	Whole of the State of Maharashtra
2. Addl. Commissioner of Labour, Bombay Division	Bombay Division
3. Asstt. Commissioner of Labour, Thane	Thane District
4. Assistant Commissoner of Labour, Kalyan	Thane District
5. Asstt. Commissioner of Labour, Raigad.	Raigad, Ratnagiri and Sindhudurga Distt.
6. Asttt. Commissioner of Labour, Nasik	Nasik District
7. Asstt. Commissioner of Labour, Jalgaon	Jalgaon and Dhule Districts
8. Addl. Commissioner of Labour, Pune Division	Pune Division
9. Asstt. Commissioner of Labour, Pune Division.	Pune Division
10. Asstt. Commissioner of Labour, Pune District.	Pune District.
11. Asstt. Commissioner of Labour, Ahmednagar.	Ahmednagar District
12. Asstt. Commissioner of Labour, Sangli.	Sangli and Stara District
13. Asstt. Commissioner of Labour, Sholapur	Sholapur District
14. Asstt. Commissioner of Labour, Kolhapur.	Kolhapur District
15. Dy. Commissioner of Labour, Nagpur Division	Nagpur Division
16. Asstt. Commissioner of Labour, Gondia.	Bhandara District
17. Asstt. Commissionr of Labour, Bhandara.	Bhandara District
18. Asstt. Commissioner of Labour, Amravati	Amravati and Yeotmal District.
19. Asstt. Commissioner of Labour, Akola	Akola and Buldhan Districts,
20. Asstt. Commissioner of Labour, Chandrapur.	Chandrapur and Gadchiroli Districts.
21. Deputy Commissioner of Labour, Aurangabad Division	Aurangabad Division
22. Asstt. Commissioner of Labour, Nanded	Nanded, Beed, Latur and Osmanabad Districts.

[No. S-61011/1/86-D.I(A)(ii)]
A.V.S. SARMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 1986

का. आ. 1810 :—मैसर्स इण्डियन एक्सप्रेस (मदुराई) प्राइवेट लिमिटेड नं. 1 क्वीन रोड, बंगलौर-560001) (के. एन./345) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 का 19 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2ख) के अधीन छूट दिये जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के नियमित कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किये बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी

निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2 ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन के नियमित कर्मचारियों को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, कर्नाटका को ऐसी विवरणियां भेजेगा और लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधायें प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा—17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा दिया जाएगा।

4. नियोजन, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि किये जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, कर्नाटका के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापन के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं तो, यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो, उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते। बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस.-35014 (135)/86-एस. एस.-2]

New Delhi, the 11th April, 1986

S.O. 1810.—Whereas Messrs Indian Express (Madurai) Private Limited, No. J, Queen's Road, Bangalore-560001 (KN/3485) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2B) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the regular employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2B) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereot, the Central Government hereby exempts the regular employees of the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premium transfer of accounts, payment of inspection charegs etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhances, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner Karnataka and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his aproval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased members entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014(135)/86-SS-II]

का. आ. 1811:—मैसर्स मैजेस्टिक ओटो लिमिटिड, सी-48, फोकल पोआइन्ट, लुधियाना-141010 (पी. एन./3766) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का सन्दाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुज्ञेय हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 3053, तारीख 17-8-1982 के अनुसरण में और इससे उपाबद्ध अनुचची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, 28-8-1985 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 27-8-1988 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त पंजाब को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्दाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का सन्दाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी

स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्देय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में सन्देय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्दाय करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त पंजाब के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का सन्दाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्दाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सन्दाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशिती/विधिक वारिसों को उस राशि का सन्दाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस.-35014(142)/82-पी. एफ.-2 एस. एस.-2)]

S.O. 1811.—Whereas Messrs Majestic Auto Limited, C-48, Focal Points Ludhiana-141010 (PN/3766) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act) ;

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of the India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 3053 dated the 17-8-1982 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 28-8-1985 upto and inclusive of the 27-8-1988.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Punjab and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language or the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Punjab and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as

already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payament of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee or the Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/142/82-PF. II(SS. II)]

का आ. 1812 :—मैसर्स रेबयी-सी-पी-, इक्यूपमेंट लिमिटिड, पोलची रोड, मलुमाचमपट्टी पो. आ. कोइम्बाटूर-641021 (टी. एन./9884) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का सन्दाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1676 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुज्ञेय हैं,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 3045 तारीख 17-8-1982 के अनुसरण में और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, 28-8-1985 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 27-8-1988 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त तमिलनाडु की ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्दाय लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का सन्दाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा, यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सन्दत्त करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्देय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में सन्देय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिसन/नामनिर्देशितियों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्दाय करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपबन्धों में /कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त तमिलनाडु के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का सन्दाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यय-गत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्दाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सन्दाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशिती/विधिक वारिसों को उस राशि का सन्दाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014(98)/82-पी. एफ.-2/एस. एस.-2]

S.O. 1812.—Whereas Messrs Revathi-CP Equipment Limited Pollachi Road, Molunachampathi PO, Coimbatore-641021 (TN/9884) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme) ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 3045 dated the 17-8-1982 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a furthed period of three years with effect from 28-8-1985 up to and inclusive of the 27-8-1988.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee or the Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. 35014/98/82-PF. II (SS. II)]

का०आ० 1813—मैसर्स श्री आयनार स्पिनिंग एण्ड वीविंग मिल्स, लिमिटेड, रजिस्टर्ड आफिस मिल्स प्रीमाइसिस मालांशीवार-626109 (वीरुधु नगर के निकट) जिला कामाराजार (टी० एन० 5058) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 का 19 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अधीन छूट दिये जाने के लिये आवेदन किया है ।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किये बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिये ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं :

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते

हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिये उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त तमिलनाडु को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिये ऐसी सुविधायें प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण-प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-17 की उपधारा (3-क) के खंड (क) के अधीन समय समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजन, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि किये जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिये सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, तमिलनाडु के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं तो, यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो, उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते। बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों की बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या/एस-35014(133) 86-एस एस/2]

S.O. 1813.—Whereas Messrs Sree Ayyanar Spinning and Weaving Mills Limited, Regd. Office Mill premises Mallanginar-626109 (Near Virudhurinagar) Kamarajar Distt. (TN/5058) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified i nthe Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenan e of accounts submission of returns, payment of insurance premium transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance cheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/ legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/133/86-SS-II]

नई दिल्ली, 14 अप्रैल, 1986

का० आ० 1814.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा 16 अप्रैल, 1986 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय 4 (धारा 44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) और अध्याय 5 और 6 (धारा 76 की उपधारा (1) और धारा 77,78,79, और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबन्ध कर्नाटक राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात् :—

राजस्व ग्राम का नाम	हुबली	ताल्लुक	जिला
1. अराकेरी ग्राम	बेगूर	दक्षिणी बंगलौर	बंगलौर
2. बोम्मानाहाली	बेगूर	दक्षिणी बंगलौर	बंगलौर
3. कोनाप्पाना अग्राहारी पंचायत	बेगूर	दक्षिणी बंगलौर	बंगलौर
4. होंगासन्दरा	बेगूर	दक्षिणी बंगलौर	बंगलौर
5. बोम्मासान्द्रा	अतीबेले	अनीकल	बंगलौर
6. मदीवाला	बेगूर	बंगलौर	बंगलौर
7. हेबागोडी	अतीबेले	अनीकल	बंगलौर
8. कवलू	सरजा-पुर	अनीकल	बंगलौर

[संख्या एस-38013/14/86-एस०एस०-1]

New Delhi, the 14th April, 1986

S.O.1814.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 16th April, 1986, as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI (except sub-section (1) of section 76 and sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Karnataka namely :—

Name of the Revenue village	Hobli	Taluk	District
1	2		4
1. Arakere Village	Begur	Bangalore South	Bangalore
2. Bommanahally	Begur	Bangalore South	Bangalore
3. Konappana Agrahari Panchayat	Begur	Bangalore South	Bangalore
4. Hongasandra	Begur	Bangalore South	Bangalore
5. Bommasandra	Attibele	Anekal	Bangalore
6. Madivala	Begur	Bangalore	Bangalore
7. Hebbagodi	Attibele	Anekal	Bangalore
8. Kudlu	Sarjapur	Anekal	Bangalore

[No. S-38013/14/86-SS-I]

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1986

का.आ. 1815.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा (4) के खण्ड (ग),

भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) में तारीख 11, दिसम्बर, 1982 को प्रकाशित भारत सरकार के तत्कालीन श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम विभाग) की अधिसूचना संख्या का.आ. 4128, दिनांक 22 नवम्बर, 1982 द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अधीन मैसर्स चन्द्रा प्रभा सिण्टैक्स (प्राइवेट) लिमिटेड, बी/सी इण्डस्ट्रियल एस्टेट, आगरा-बम्बई रोड, देवास-1 (एम.पी./3535) को दी गई छूट को तत्काल रद्द करती है।

[संख्या एस-35014/328/82-पी एफ-2(एस एस 2)]

New Delhi, the 15th April, 1986

S.O. 1815.—In exercise of the powers conferred by clause (c) of sub-section (4) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby rescinds with immediate effect the exemption granted to M|s. Chandra Prabha Syntex (Private) Limited, B|C Industrial Estate, Agra-Bombay Road, Dewas-1 (MP|3535) under sub-section (2A) of Section 17 of the said Act by the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour) No. S.O. 4128, dated the 22nd November, 1982, which was published in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii) dated the 11th December, 1982.

[No. S-35014|328|82-PF. II(SS.II)]

नई दिल्ली, 16 अप्रैल, 1986

का.आ. 1816.—असम राज्य सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के खण्ड (घ) के अनुसरण में श्री एम.पी. बेजबरुआ के स्थान पर श्री बी.के. बरुआ, सचिव असम सरकार को कर्मचारी राज्य बीमा निगम में उस राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए नाम निर्दिष्ट किया है ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के अनुसरण में, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 545 (अ), दिनांक 25 जुलाई, 1985 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, '[राज्य सरकार द्वारा धारा 4 के खण्ड (घ) के अधीन नाम निर्दिष्ट]" शीर्षक के नीचे मद 9 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

"श्री बी.के. बरुआ,
सचिव,

असम सरकार, श्रम और रोजगार विभाग,
दिसपुर।"

[संख्या यू-36012/7/85-एस.एस.-1]

New Delhi, the 16th April, 1986

S.O. 1816.—Whereas the State Government of Assam has, in pursuance of clause (d) of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) nominated Shri B. K. Barooah, Secretary to the Government of Assam to represent that State on the Employees' State Insurance Corporation, in place of Shri M. P. Bezbarua;

Now, therefore, in pursuance of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 545(E), dated the 25th July, 1985, namely:—

In the said notification, under the heading "(Nominated by the State Government under clause (d) of section 4)", for the entry against Serial Number 9, the following entry shall be substituted, namely:—

"Shri B. K. Barooah,
Secretary to the Government of Assam,
Labour and Employment Department,
Dispur (Assam).

[No. U-16012|7|85-SS.I]

का.आ. 1817.—उड़ीसा राज्य सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के खण्ड (घ) के अनुसरण में श्री कल्याण राय के स्थान पर श्री मदन मोहन मोहन्ती, सचिव, उड़ीसा सरकार को कर्मचारी राज्य बीमा निगम में उस राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए नाम निर्दिष्ट किया है ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के अनुसरण में, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 545 (अ), दिनांक 25 जुलाई, 1985 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, "[राज्य सरकार द्वारा धारा 4 के खण्ड (घ) के अधीन नामनिर्दिष्ट]" शीर्षक के नीचे मद 21 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

"श्री मदन मोहन मोहन्ती,
सचिव, उड़ीसा सरकार,
श्रम और रोजगार विभाग,
भुवनेश्वर।"

[संख्या यू. 16012/4/86-एस. एस-1]
ए.के. भट्टराई, अवर सचिव

S.O. 1817.—Whereas the State Government of Orissa has, in pursuance of clause (d) of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) nominated Shri Madan Mohan Mohanty, Secretary to the Government of Orissa to represent that State on the Employees' State Insurance Corporation, in place of Shri Kalyan Ray;

Now, therefore, in pursuance of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 545(E), dated the 25th July, 1985, namely:—

In the said notification, under the heading "(Nominated by the State Government under clause (d) of section 4)", for the entry against Serial Number 21, the following entry shall be substituted, namely:—

"Shri Madan Mohan Mohanty,
Secretary to the Govt. of Orissa,
Labour and Employment Department,
Bhubaneshwar".

[No. U-16012|4|86-SS.I]
A. K. BHATTARAI, Under Secy.

नई दिल्ली, 14 अप्रैल, 1986

का०आ० 1818—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सहायक अधीक्षक विभागीय तार घर, चन्द्रपुर के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27-3-86 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 14th April, 1986

S.O. 1818.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpud (M.P.) as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Assistant Superintendent Departmental Telegraph Office, Chandrapur and their workmen, which was received by the Central Government on the 27th March, 1986.

BEFORE SHRI V. S. YADAV, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(47) of 1984

PARTIES :

Employers in relation to the management of Assistant Superintendent, Departmental Telegraph Office, Chandrapur (M. S.) and their workman, Shri Balkrishna Tukaram Bhandale C/o Shri S. G. Bapat, Civil Line, Chandrapur (M.S.)

APPEARANCES :

For workman—None.

For management—Shri S. V. Natu, Advocate.

INDUSTRY : Telegraph DISTRICT : Chandrapur (M.S.)

AWARD

Dated, the March 20, 1986

This is a reference made by the Government of India vide Notification No. L-40012(3)/83-D.II (B) dated June 1984 for adjudication of the following dispute :—

"Whether the action of the Assistant Superintendent, Departmental Telegraph Office, Tilak Ground, Chandrapur (M.S.) in terminating the service of Shri Balkrishna Tukaram Bhandale, workman with effect from 1-8-82 is justified ? If not, to what relief the workman is entitled ?"

2. On receipt of the aforesaid Government Notification referring the dispute parties were noticed to file their statements of claim. On 16-10-1984 written statement on behalf of the management was received, but the workman did not file any written statement though he was served. Thereafter he was given several chances to appear and file his statement of claim but he chosen to remain absent.

3. The case of the management is that Shri Balkrishna Tukaram Bhendale, workman, was employed on daily wages which was on "no work no pay" basis from 11-3-1981. His services were terminated when there was no work, during the period of 11-3-1981 to 31-7-82 he was not employed. As a step gap arrangement he was employed as Orderly Peon during the period from 14-6-81 to 21-6-81 and from 13-12-81 to 11-1-82. When his services were not required he was not taken on duty from 1-8-1982. There is nothing like removal of the employee from services. The discontinuation of the employee after 1-8-82 cannot be treated as retrenchment since the workman was not in a regular employment. Management has also raised a preliminary objection that the Post and Telegraph Department is not an industry. Therefore Shri Balkrishna Tukaram Bhendale is not entitled to any relief of any kind.

4. On 4-2-1986 management filed a Confidential letter No. WCL/WV/DOC/SAM/SAV/PER/5874 dated 11-12th August, 1985 for the Sub-Area Manager, Sub-Area-V Durgapur Opencast Colliery which indicates that Shri B. T. Bhendale is working in the Project as Badli Worker and is getting Rs. 1076.62 per month. He is employed in their Project since February 1984. Management has also filed a letter dated 12-2-1986 signed by Shri V. G. Saxena, Senior Superintendent, Telegraph Traffic, Nagpur Division, Nagpur enclosing therewith a letter addressed to the D.T.O. Chandrapur in which it is stated by Shri Balkrishna Tukaram Bhendale that he is not interested to do work with the D.T.O. Office and therefore he is not interested to prosecute the case.

5 I have gone through the pleadings and the documents filed by the management. Inspite of notices to the workman to put appearance and file his statement of claim, neither he put appearance nor filed statement of claim and documents. Therefore I have no other alternative but to give an award that the action of the Assistant Superintendent, Departmental Telegraph Office, Tilak Ground, Chandrapur (M.S.) in terminating the service of Shri Balkrishna Hukaram Bhendale, workman with effect from 1-8-1982 is justified and the workman, Shri Bhendale is not entitled to any relief. No order as to costs.

V. S. YADAV, Presiding Officer
[No. L-40012/3/83-D.II (B)]

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 1986

का. आ. 1819.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय खाद्य निगम, अमृतसर के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, चण्डीगढ़ के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 4-4-86 को प्राप्त हुआ था ।

New Delhi, the 18th April, 1986

S.O. 1819.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India, Amritsar and their workmen, which was received by the Central Government on the 4th April, 1986.

BEFORE SHRI I. P. VASISHTH, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT, INDUSTRIAL TRIBUNAL, CHANDIGARH

Case No. I. D. 157/83 Delhi) I. D. 12/83 (Chandigarh)

PARTIES :

Employers in relation to the management of Food Corporation of India.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the Employers—Sarvshri N. K. Zakhmi and B. L Larova.

For the Workmen—Shri N. K. Chaudhri.

INDUSTRY : Food Corporation of India STATE : Punjab

AWARD

Dated, the 27th of March, 1986

1. The Central Government, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947, as per their Order No. L-12012/125/80-D.II (A) dated 7 November, 1981, read with No. S.O S-11025(2)/83 dated the 8th of June, 1983 referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication.

"Whether the management of Food Corporation of India was justified in denying work to their food handling workers at Amritsar depot from 7-7-1979 and if not, to what relief they are entitled ?"

2. Respondent Food Corporation of India was formed by an Act of Parliament having its object, amongst others, food procurement, its storage and distribution through various agencies throughout the country. It has its Head Office at Delhi and four Zonal Offices in the Eastern, Western, Southern and Northern sectors. In every Zone there are some regional offices, e.g., Punjab and Haryana are two different regions in the Northern Zone. In pursuance to its aforesaid activities the respondent Corporation engages several thousands of handling Mazdoors either directly or indirectly through contractors. According to the petitioners they were employed in the Punjab region for Amritsar Depot by the respondent-Corporation where they worked for a number of years but then one fine morning on 7-7-1979, without assigning any reason and complying with the provisios of section 25-F of the Act, the respondent-Corporation terminated their services. The petitioners resented their retrenchment for the obvious reasons and, thus, raised a demand through their Union for the appropriate relief but the Management was found unresponsive despite the intervention of the Assistant Labour Commissioner at the Conciliation stage and hence the Reference.

3. Resisting the proceedings, the Management questioned the jurisdiction of the Tribunal pleading that in relation to its dispute the Central Govt. had no jurisdiction to entertain the controversy or order any Reference under section 10 of the Act ibid. It also challenged the relationship of employer and employee between the parties and averred that as a matter of fact the petitioners were hired by its contractors who had an effective control on their work and conduct for all intents and purposes, that the petitioners were not on its rolls and that for want of privity of contract between the parties, the respondent-Corporation was not answerable for the conduct of the contractor in terminating their services though it is an entirely different matter that because of the fluctuating work-load he might not have required their services any more.

4. The Management further questioned the propriety of the proceedings on the ground that the petitioners did not belong to any such Union which was registered or recognised by it.

5. The parties were put to trial on the following issue framed over and above the terms of Reference:—

"Whether the Reference is legally void, infirm and incompetent as alleged?"

6. In support of their respective versions both the parties adduced verbal as well as documentary evidence which I have carefully perused, and heard them.

7. It may also be worthwhile to mention at this stage that two other similar disputes, registered at Nos. 112 of 1983 and 161 of 1981 with my counterpart at New Delhi and at Nos. 24 of 1983 and 49 of 1984 respectively in this Tribunal, regarding the termination of 67 such workmen from Nawanshahr Depot in Punjab and 31 workers from Ambala Depot in Haryana were also referred by the appropriate Government. Because common questions of fact and law were involved in all these three cases and almost similar evidence was led by the parties, therefore, at their request they were allowed to address joint arguments for a common adjudication. I, thus, propose to deal with all these three cases at a stroke and as such my instant Award shall hold valid for all of them.

8. In so far as the issue framed by this Tribunal is concerned, despite seeming attraction, the objections raised by the Management are completely devoid of force. At the risk of repetition it may be pointed out that they were raised in a three-fold manner; i.e. (i) want of relationship of employer and employee between the parties; (ii) want of jurisdiction in the Tribunal because of reference by the Central Government whereas it should have been by the State Government and thirdly because the petitioners' cause was not espoused by a registered or recognised Union.

9. As regards the first limb of the issue, for its proper appreciation I would like to take it along with the merits of the case whereas the other two objections are an exercise in futility. A bare reference to clause (a) (i) of section 2 of the I.D. Act would leave no manner of doubt that with regard to the disputes pertaining to the affairs of Food Corporation, it is the Central Government who is the appropriate authority. Therefore, the Management's effort to wriggle out of its implication on the plea that its area of activity, where the cause of action accrued, falls into a particular State is thoroughly misconceived. Similarly the effort to knock out the petitioners on the technical plea that their case was not espoused by a duly recognised or registered Union is also without merit. The pertinent point is that the I.D. Act was enacted to ensure fair-play to the working class in their service controversies with the Management. It therefore follows that being a beneficial legislation its interpretative benefits would go to them rather than to the Management; more so when there is no prohibitive clause in the Statute. And it goes without saying that the centre of controversy in all these cases is the termination of petitioners' services by the Management which can certainly be agitated even by the concerned workmen individually without seeking the assistance of any Union as per section 2-A of the Act ibid.

10. Thus, if the effected workers pooled their resources and sought the assistance of any particular Union, recognised or unrecognised, no fault can be found with them. It is besides the point that from the statement of their Organising Secretary WW2 M. L. Sharma it is abundantly clear that their Union was registered at All India level at No. 8219 and was recognied even by the Central Office of the respondent-Corporation; so much so that at one stage they entered into negotiations and a formal settlement was signed with this particular Union through their various Zonal Managers in the year 1984 as would be evident from its copy Exhibit W.3/3. To put it in other words, during the pendency of these reference proceedings before the Tribunal, the Management itself left nobody in doubt about the locus standi of petitioners' Union to represent and espouse the cause of the workers.

11. That directly confronts the Tribunal with the main issue contained in the terms of reference and the preliminary objection of the Management on the point of relationship between the parties, i.e. as to whether the petitioners were the employees of the respondent-Corporation or of its Contractors.

12. On behalf of the Management it was strenuously argued that from the testimony of its witnesses consisting of the Assistant Manager Krishan Lal (MW.1), and Dy. Manager A. K. Koley (MW.2) it is established that the petitioners were never hired by the Corporation and that there were no dealings between them; so much so that neither any appointment nor termination orders were issued by it, that no salary was ever paid to any of the petitioners by the Corporation and that the latter had no control on their work or conduct.

13. I am not amused with the submission of the Management because it appears to be torn out of context wherein one of the cardinal principles for appreciation of evidence is that such type of controversy should be decided in the totality of the situation rather than on isolated appraisement of some convenient circumstance, fact or feature.

14. It cannot possibly be denied that the activities of the Food Corporation are such which clearly fall within the purview of an 'industry' as defined by section 2(j) of the Act, and that was perhaps the reason that Shri S. S. Kochhar, Assistant Depot Manager of Ambala Cantonment examined as MW.1 in Industrial Dispute No. 49/1984 fairly conceded the proposition. Similarly the applicability of the Contract Labour (Regulation and Abolition) Act, 1970 (hereinafter called the Contract Labour Act) should also be beyond any pale of controversy. Section 7 of this Act regulates the registration of such establishments whereas section 9 thereof prohibits the principal employer of such establishments from engaging contract labour in the absence of registration. Section 12 oblires the concerned contractor to obtain license whereas section 13(2) mandates investigation of his antecedents by the Licensing authority before granting the license. Section 16, 17 and 18 require the

contractor to provide certain facilities to the workers whereas sections 20 and 21 impose obligation on the principal employer to do so on the failure of the contractor to provide the facilities. Chapter VI of the Act not only provides for the penalties on the defaulting contractors and principal employers but also sanctifies their prosecution in case of contravention of the provisions regarding employment of contract labour.

15. At this stage a reference may also be pertinent to the object of the enactment which lays down that it was primarily brought into force "to regulate employment of contract labour in certain establishments and to provide for the abolition in certain circumstances and for matters connected therewith".

16. In view of the aforesaid philosophy of the Contract Labour Act, one cannot possibly escape the inference that no principal employer or his miniature i.e., the contractor, can be permitted to circumvent the statutory requirements. To put in other words, any contravention thereof would frowned upon by the Tribunal as an unfair labour practice.

17. It is against such back drop that we have to appraise the evidence adduced by the parties. Significantly enough, none of the witnesses produced by the Management could deny the proposition that Food Corporation had not got itself registered under the Contract Labour Act. Similarly they also feigned ignorance about the procurement of the requisite license by the alleged contractors and it was perhaps for this particular reason that nobody was produced before the Tribunal who could claim himself to be a licensed contractor so as to qualify as the employer of the petitioners. On the other hand from the statements of Sarvshri Krishan Lal and A. K. Koley it appears that atleast at one stage it was the respondent-Corporation who used to pay their monthly wages without the intervening agency of any contractor etc., since they admitted the authenticity of Exhibits W.3 to W.8. Of course they tried to wriggle out of the implication on the pretext that the persons mentioned therein were their ad-hoc contractors, little realising that the story of ad-hoc contractors was alien to the pleadings raised in the written statement.

18. On the other side the petitioners have come out with a plausible explanation regarding the absence of formal orders of appointment, termination and direct payment to the individual workmen, that it was a case of sheer exploitation of unorganised and illiterate work-force, Otherwise the FCI used to pay them through Mates and Sardars. And so far as the control on their work and conduct is concerned, it is sufficiently borne out from the admission of the Management's own witnesses; particularly Shri J. R. Nagpal (MW.4) examined in Reference No. 49 of 1984 that the regular staff of the Management used to be present for supervision at the time of loading, unloading, receipt, despatch or any other such activity concerned with the movement of foodgrains.

19. It may not be out of context to mention here that in a similar dispute between the FCI and the handling Mazdoors attached to its Siliguri Depot (Eastern Zone), the Ld. Judges of the Supreme Court were pleased to get aside the terminations based on almost similar grounds as would be evident from a certified copy of their judgement dated 28-2-1985 in the matter of the workmen of the Food Corporation of India Vs. M|s. Food Corporation of India, Civil Appeal No. 1055 (NL) of 1981. And it hardly requires any emphasis that on facts there is nothing to distinguish our case from the one before their Lordships.

Similarly we have the case of M|s. Best and Crompton Industries & Engg. Ltd., 1985 L.L.J. 492-505 (June Part) on a likewise 'pattern'.

20. I, therefore, conclude that the petitioners were the employees of the Food Corporation and that if at all any agency or a middleman was introduced by the Management in the shape of contractor, the same was an unwarranted effort to put a veil on the bonds of master and servant between the parties which requires to be ignored as an unfair labour practice; and since none of the petitioners was given any terminal benefit, envisaged under the Act, therefore, their terminations have to be quashed.

21. Although under the normal circumstances the reversal of an illegal retrenchment is followed by the natural consequence of re-instatement with back wages but keeping in view the intricate facts and circumstances of the case I do not propose to burden the respondent Corporation with any financial implications which could hit some stingy proportions. As such, I return my Award in favour of the workmen with a direction to the management to reinstate them forthwith on their original posts and start paying their usual wages with immediate effect.

Chandigarh, the 27th March, 1986.

I. P. VASISHTH, Presiding Officer,

CORRIGENDUM

New Delhi, the 7th April, 1986

BEFORE SHRI I. P. VASISHTH, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT, INDUSTRIAL TRIBUNAL,

CHANDIGARH

Case No. I.D. 157|83 (Delhi) I.D. 12|83 (Chandigarh)
PARTIES :

Employers in relation to the management of Food Corporation of India.

AND

Their Workmen

APPEARANCES :

For the Employers—Sarvshri N. K. Zakhmi and B. L. Laroiya.

For the Workman.—Shri N. K. Chaudhri.
INDUSTRY : Food Corporation of India. STATE : Punjab.

Sub.—Award dated 27th March, 1986 in I.D. No. 157|83 (Delhi)—I.D. 12|83 (Chandigarh) between the management of Food Corporation of India and its workmen.

As a result of office inspection by following clerical mistake was detected and is accordingly hereby rectified.

2. To be precise in para No. 1 of the relevant Award the following correct particulars of the Appropriate Govt.'s Order making the Reference, shall be forthwith incorporated in the fourth line to make their Order No. L-12012|125|80-D. II. (A) dated 7th November, 1981 read as :—

"Their Order No. L-42025(13)|80-D. II. B dated 22nd of May, 1982."

I. P. VASISHTH, Presiding Officer
[No. L-42025|13|86-D. II(B)]

का. आ. 1820.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों की बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, चण्डीगढ़ के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 4-4-86 को प्राप्त हुआ था ।

S.O. 1820.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Haryana Region, Chandigarh and their workmen, which was received by the Central Government on the 4th April, 1986.

BEFORE SHRI I. P. VASISHTH, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT, INDUSTRIAL TRIBUNAL, CHANDIGARH

Case No. I.D. 161|81 (Delhi) I.D. 49|84 (Chandigarh)

PARTIES :

Employers in relation to the management of Food Corporation of India.

AND

Their Workmen

APPEARANCES :

For the Employers.—Sarv Shri N. K. Zakhmi and B. L. Laroya.

For the Workmen.—Sh. N. K. Chaudhri.

INDUSTRY : Food Corporation of India, STATE : Haryana.

AWARD

Dated, the 27th March, 1986

1. The Central Government, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act 1947, as per their Order No. L-42012/21/81-FCI/D.IV(A) dated 13th November, 81 read with No. S-11025(9)|84-D. IV(B) dated the 26th of October, 1984, referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :—

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in stopping the under mentioned 31 food handling workmen from work with effect from the 29th August, 1980, is justified ? If not, to what relief are the concerned workmen entitled ?"

Name of the workmen

1. Shri Pritem Singh
2. Shri Phakar
3. Shri Raja Ram
4. Shri Kuldeep
5. Shri Keshar
6. Shri Vishan Lal
7. Shri Kripa Ram
8. Shri Sadi Ram
9. Shri Prita
10. Shri Manohar
11. Shri Jogdew
12. Shri Munshi
13. Shri Chotelal
14. Shri Jeet
15. Shri Baly
16. Shri Jai Singh
17. Shri Harichand
18. Shri Gurdas
19. Shri Indar
20. Shri Kidoo Ram,
21. Chotto Ram
22. Shri Guljar Singh
23. Shri Nathi Ram
24. Shri Deva
25. Shri Iswar
26. Shri Prem
27. Shri Norata
28. Shri Fatoo
29. Shri Palla
30. Shri Kundan
31. Shri Kuldeep.

2. For the reasons detailed in the Award of the even date in the connected I.D. No. 12|83 CHD (157|83-Delhi) the management is directed to forthwith re-instate the petitioner| workmen on their original posts and start paying their usual wages with immediate effect.

3. Award returned accordingly.

Chandigarh.

Dated : 27-3-1986.

I. P. VASISHTH, Presiding Officer
[No. L-42012|21|81-FCI|D. IV (A)]

का. आ. 1821.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, चण्डीगढ़ के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 4-4-86 को प्राप्त हुआ था ।

S.O. 1821.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh and its workmen as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 4th April, 1986.

BEFORE SHRI I. P. VASISHTH, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL,

CHANDIGARH

Case No. I.D. 112|83 (Delhi) I.D. 24|83 (Chandigarh)

PARTIES :

Employers in relation to the management of Food Corporation of India.

AND

Their Workmen

APPEARANCES :

For the Employers.—Sarv Shri N. K. Zakhmi and B. L. Laroya.

For the Workmen.—Sh. N. K. Chaudhri.

INDUSTRY : Food Corporation of India. STATE : Punjab.

AWARD

Dated, the 27th of March, 1986

1. The Central Government, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947, as per their Order No. L-42011/18/82-FCI/D. IV(A) dated 8th October, 1982, read with No. S.O.S. 11025(2)|83 dated the 8th of June, 1983 referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the termination of services of 67 workmen, whose names are mentioned in the Annexure, engaged by the Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, handling contractors, is justified ? If not, to what relief the concerned workmen are entitled ?"

ANNEXURE

Names of the Workers

1. Shri Bakhshi Ram
2. Shri Hari Ram
3. Shri Sarwan Kumar
4. Shri Surinder Kumar
5. Shri Joginder Kumar
6. Shri Lekh Raj
7. Shri Sukhdev Ram
8. Shri Kewal Krishan

9. Shri Ajit Kumar
10. Shri Jeet Ram
11. Shri Bali Ram
12. Shri Charanji Lal
13. Shri Parshotam Lal
14. Shri Bhajan Lal
15. Shri Dalip Singh
16. Shri Om Dutt
17. Shri Sarwan
18. Shri Gurbachan
19. Shri Santokh Ram
20. Shri Mohinder Singh
21. Shri Bhajan Lal
22. Shri Tulsi
23. Shri Mohinder Lal
24. Shri Hari Singh
25. Shri Nirmal Singh
26. Shri Sohan Lal
27. Shri Sohan Singh
28. Shri Girdhari Lal
29. Shri Ram Saroop
30. Shri Chuhar Lal
31. Shri Som Nath
32. Shri Sadhu Ram
33. Shri Gurnam Singh
34. Shri Tarsam Lal
35. Shri Charanji
36. Shri Joginder Ram
37. Shri Gian Chand
38. Ram Parkash
39. Shri Sital Ram
40. Shri Ram Lal
41. Shri Jagtar Ram
42. Shri Chhinda Ram
43. Shri Dev Raj
44. Shri Paramjit
45. Shri Bajnath
46. Shri Sucha Singh
47. Shri Darwara Ram
48. Shri Ajit Kumar
49. Shri Piara Lal
50. Shri Sohan Lal
51. Shri Subash
52. Shri Sawarna Ram
53. Shri Yog Raj
54. Shri Dulla Ram
55. Shri Rampal
56. Shri Hans Raj
57. Shri Sham Lal
58. Shri Lehmber Ram
59. Shri Ramesh Chand
60. Shri Harbans Lal
61. Shri Amar Nath
62. Shri Jeet Kumar
63. Shri Bhinda
64. Shri Balbir
65. Shri Sawarna
66. Shri Harbans Lal
67. Shri Meet.

2. For the reasons detailed in the Award of the even date in the connected I.D. No. 12/83-CHD/(157/83-Delhi) the management is directed to forthwith re-instate the petitioner/workmen on their original posts and start paying their usual wages with immediate effect.

3. Award returned accordingly.

Chandigarh.

Dated : 27-3-1986.

I. P. VASISHTH, Presiding Officer
[No. L-42011/18/82-FCI/D-IV(A)]

का. आ. 1822.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भानाखप माईका माईन्स कम्पनी के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, धनबाद-2 के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को प्राप्त हुआ था ।

S.O. 1822.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Dhanbad, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Bhanakhap Mica Mining Co., P.O. Jhumritelaiya, Distt. Hazaribagh and their workmen.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT :

Reference No. 30 of 1984

In the matter of Industrial Disputes under Section 10(1)(d) of the I.D. Act., 1947.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Messrs Bhanakhap Mica Mining., P. O. Jhumritelaiya. Dist. Hazaribagh (Bihar) and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the employers.—Shri B. B. Pandey, Advocate.

On behalf of the workmen.—Shri G. Gopal, Advocate.

STATE : Bihar. INDUSTRY : Mica.

Dhanbad, the 28th February, 1986

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication under Order No. L-28012(1)/84-D. III. B dated the 2nd July, 1984.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Messrs. Bhanakhap Mica Mining Co. P.O. Jhumritetalya, Dist. Hazaribagh in dismissing from service with effect from 17-1-83, Sharvashri Lakha Barhi, Baudha Dusadh, Kishun Thakur and Sukhdeo Singh, their workmen is justified ? If not to what relief are the workmen concerned entitled ?"

In this case both the parties filed their respective W.S. Thereafter several adjournments were granted to the parties. Ultimately on 20-1-86 both the parties appeared and filed before me a memorandum of settlement. I have gone through the terms of settlement which appear to be fair and proper. I accordingly accept the same and pass an Award in terms of the memorandum of settlement which forms part of this Award as annexure.

I. N. SINHA, Presiding Officer
[No. L-22012/1/84-D. III (B)]
HARI SINGH, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, DHANBAD

Ref. No. 30 of 1984

Employers in relation to the management of Bhanakhap Mica Mining Company.

AND

Their Workmen

(Represented by Udyogic Abrakh Karamchari Sangathan).

The humble petition of compromise on behalf of both the parties; above-named;

Most respectfully sheweth :—

1. That, all the 4 concerned workmen namely 1. Lekha Barhi, 2. Kishun Thakur, 3. Boudha Dusadh and 4. Sukhdeo Singh are now not interested in the services of the aforesaid Company as they have made alternative arrangement for their livelihood and have informed the same accordingly to the union and as such the Union is not interested to contest the case.

2. That, both the parties have compromised the case on the following terms and conditions :—

A—That, all the concerned workmen shall be paid their gratuity amount as due per provisions of law.

B.—That, all the concerned workmen shall be paid ex-gratia payment equivalent to one month's salary.

C.—That, the above referred amount (to be paid under clause A and B above) shall be paid to the concerned workmen latest by 30th March, 1986.

3. That, both the parties feel that for the ends of justice, the above referred terms of compromise are satisfactory.

4. That, both the parties pray that the Hon'ble Tribunal may graciously be pleased to pass its Award in terms of the said settlement.

For the Workmen :

1.

(Bhuwaneshwar Singh)

President, Udyogic Abrakh Karamchari Sangathan.

2.

(Girdhar Gopal,)

Advocate.

For the Employers :

1.

20-1-86

(Sheo Narain Jha)

Agent, Bhanakhap Mica Mining Company.

2.

20-1-86

(B. B. Pandey)

Advocate.

Dated : 20-1-86.

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110064
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110054, 1986